सांध्य दैनिक
श्रीकंचनपथ
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 302 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 16 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

टोल प्लाजा पर ट्रकों की कतार पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क हादसों को रोकने के लिए हाई कोर्ट की निगरानी अब केवल चिन्हित ब्लैक स्पॉट तक सीमित नहीं रहेगी। सड़क किनारे और टोल प्लाजा पर खड़े भारी वाहनों से दुर्घटना के खतरे को भी कोर्ट ने गंभीरता से लिया है। सड़क सुरक्षा को लेकर चल रही स्वत: संज्ञान जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट कमिश्नर ने सुप्रीम कोर्ट के फलोदी हादसा मामले में 13 अप्रैल 2026 को जारी अंतरिम निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के टोल प्लाजा पर दोनों तरफकैरिज-वे या पक्के शोल्डर पर ट्रकों और भारी वाहनों की लंबी कतारें दिखाई देती हैं। हाई कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य सचिव और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के क्षेत्रीय अधिकारी को हलफनामा दाखिल कर बताने का निर्देश दिया है।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को हराया, ऑस्ट्रेलिया में पहली बार हराया

डार्विन। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले 4 दिन बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। सरगुजा संभाग में कुछ जगहों पर भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले 4 दिन तक बारिश का दौर जारी रह सकता है। प्रदेश में सीजन की बारिश सामान्य से 9 प्रतिशत कम है। कोरबा में लगातार बारिश के बीच मिनीमाता बांगो डैम का जलस्तर 92.48 प्रतिशत पहुंच गया है। एहतियातन 5 गेट खोलकर 3005 क्यूसेक पानी हसदेव नदी में छोड़ा गया। इसके बाद प्रशासन ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

भारत में तैयार 'दिव्यास्त्र एमके3' ने भरी उड़ान

नईदिल्ली। जेट इंजन से चलने वाले ड्रोन 'दिव्यास्त्र एमके3' ने सफल उड़ान भरी है। कावा यूएवी प्राइवेट लिमिटेड (हॉवरइट) ने इसका सफल परीक्षण किया। कंपनी के मुताबिक, यह अगली पीढ़ी का ड्रोन है, जिसे भारत में ही तैयार किया गया है। कंपनी ने बताया कि 'दिव्यास्त्र एमके3' जेट इंजन से चलता है। इसे किसी तय लक्ष्य पर सटीक हमला करने के लिए बनाया गया है। इसकी पूरी तकनीक भारत में ही तैयार की गई है।

'सेलम स्टेनलेस शॉप' से मिलेगा भिलाई महिला समाज को नया आयाम

हर्षित अग्रवाल

भिलाई। सेक्टर-10 में 'सेलम स्टेनलेस शॉप' के लिए भूमिपूजन किया गया। अध्यक्ष, सेलम स्टील लेडीज सर्कल, डॉ. अमिता बिसारे एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। सेलम स्टेनलेस शॉप का उद्देश्य लोगों को गुणवत्तापूर्ण एसएस 304 ग्रेड स्टेनलेस स्टील उत्पाद उपलब्ध कराना है।

उल्लेखनीय है कि भिलाई महिला समाज अंचल की महिलाओं को उद्योग एवं रोजगार से जोड़ने के लगातार प्रयास करता रहा है। समाज द्वारा पांच अलग अलग इकाइयों में हजारों महिलाओं को रोजगार प्रदान किया गया है। एसएस 304 ग्रेड स्टेनलेस स्टील की मजबूती, टिकाऊपन एवं जंगरोधी गुण इसे रसोई एवं खाद्य-संपर्क से जुड़े उपयोगों के लिए उपयुक्त

बनाते हैं। प्रतिष्ठान में ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण, टिकाऊ, स्वच्छ एवं उपयोगी उत्पादों के साथ आधुनिक डिजाइन को प्राथमिकता दी जाएगी।

इस मौके पर सेलम स्टील प्लांट की ओर से सहायक महाप्रबंधक (ईडी-टेक) सारिन मेनन यू. तथा वरिष्ठ प्रबंधक (मार्केटिंग) अरुल राम एम. ने कार्यक्रम के समन्वय में विशेष भूमिका निभाई। समारोह में भिलाई महिला समाज की कार्यकारी अध्यक्ष छवि निगम, मौली चक्रवर्ती, केका सरकार, स्मिता भास्कर एवं आभा सिंह; सचिव सोनाली रथ, कोषाध्यक्ष, शिखा जैन, सह कोषाध्यक्ष रीता तिवारी, चेयरमैन, सेफी एवं अध्यक्ष, नरेंद्र कुमार बंछोर, महाप्रबंधक प्रभारी एबी श्रीनिवास तथा श्री साईं बाबा आरती सत्संग के सदस्य उपस्थित रहे।

बारिश में बीमार बुजुर्ग को जवानों ने कंधों पर उठाकर अस्पताल पहुंचाया, पेश की मिसाल

स्वतंत्रता दिवस के उल्लाश के बीच छत्तीसगढ़ के सुकमा से सामने आई मानवता भरी तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जब पूरा देश 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मना रहा था, वहीं छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भीमापुरम गांव से जवानों की मानवता की मिसाल पेश करने वाली तस्वीर सामने आई। ड्यूटी निभाकर लौट रहे डीआरजी गोल्फ टीम के जवानों ने बारिश के बीच एक बीमार बुजुर्ग को चारपाई पर अस्पताल ले जाते ग्रामीणों को देखा। इसके बाद जवानों ने बिना देर किए बुजुर्ग को अपनी कंधों पर उठाया और अस्पताल तक पहुंचाया।

बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस पर ड्यूटी पूरी करने के बाद डीआरजी के जवान अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि कुछ ग्रामीण बारिश के बीच एक बुजुर्ग को चारपाई पर लेकर

पैदल जा रहे हैं। जवानों ने ग्रामीणों को रोककर मरीज की स्थिति और एंबुलेंस की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि बुजुर्ग की तबीयत खराब थी और एंबुलेंस नहीं मिल सकी। ऐसे में उन्होंने चारपाई पर मरीज को अस्पताल ले जाने का फैसला किया था। ग्रामीणों ने बताया कि साथ चल रहे लोग रास्ते में थकने पर एक-दूसरे की जगह कंधा बदलकर मरीज को आगे ले जाने वाले थे।

ग्रामीणों की बात सुनने के बाद डीआरजी जवानों ने उन्हें पीछे किया और खुद चारपाई उठाने की जिम्मेदारी संभाल ली। जवानों ने बारिश के बीच मरीज को कंधे पर उठाकर पैदल सीआरपीएफ हॉस्पिटल, रायगुड़ा कैंप तक पहुंचाया। देश की सुरक्षा के लिए कंधे पर बंदूक उठाने वाले जवानों ने इस बार उसी कंधे पर एक जिंदगी की जिम्मेदारी उठाई। जवानों की इस पहल ने न सिर्फ ग्रामीणों का दिल जीत लिया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि वर्दी केवल सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इंसानियत और सेवा की पहचान भी है।

ग्रामीणों ने जताया आभार

मरीज को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने पर ग्रामीणों ने जवानों का दिल से आभार जताया। इस भावुक पल को सड़क से गुजर रहे लोगों ने अपने कैमरों में भी कैद किया। बारिश के बीच बीमार बुजुर्ग को कंधे पर लेकर जाते जवानों की तस्वीरें अब मानवता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल बन गई हैं।

छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में बढ़ा दाखिले का दायरा, 31 अगस्त तक होगा प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कॉलेजों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। राज्य के जिन शासकीय और निजी महाविद्यालयों में अभी भी सीटें रिक्त हैं, वहाँ छात्र अब 31 अगस्त 2026 तक दाखिला ले सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत प्राचार्य स्तर पर प्रवेश की समय सीमा 31 जुलाई तक और कुलपति की अनुमति से 14 अगस्त तक तय की गई थी। लेकिन अंतिम तिथि बीतने के बाद भी कई महाविद्यालयों में सीटें खाली रह गई थीं और दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले कई अभ्यर्थी समय पर आवेदन नहीं कर पाए थे। इसे ध्यान में रखते हुए शासन ने तिथि विस्तार का निर्णय लिया है।

छात्रहित में लिया निर्णय

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का मूल ध्येय प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा का प्रकाश पहुँचाना है। दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों के कई मेधावी युवा विभिन्न व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण समय पर प्रवेश नहीं ले सके थे। हम नहीं चाहते कि तिथियों के फेर में किसी भी योग्य विद्यार्थी का एक साल खराब हो या वह उच्च शिक्षा से वंचित रह जाए। छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए प्रवेश की तारीख 31 अगस्त तक बढ़ाई गई है। मैं सभी विद्यार्थियों से अपील करता हूँ कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं।

टीएमसी दफ्तर में मिला पूर्व डिप्टी स्पीकर का शव

कोलकाता ए.। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और रामपुरहाट से पांच बार विधायक रहे तृणमूल कांग्रेस नेता आशीष बनर्जी रविवार सुबह बीरभूम जिले के रामपुरहाट स्थित पार्टी कार्यालय में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार, उनका शव फंदे से लटका मिला, जिसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बनर्जी ममता बनर्जी सरकार में डिप्टी स्पीकर के अलावा शिक्षा और कृषि मंत्री भी रह चुके थे। हालिया विधानसभा चुनाव में उन्हें भाजपा के ध्रुबा साहा ने हरा दिया था।

बीरभूम पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार सुसाइड नोट में उन्होंने कहा, मेरा भ्रष्टाचार से कोई लेना-देना नहीं था। फिर भी मुझे बदनाम करने के लिए ये सारे पूरी तरह से झूठे आरोप लगाए गए।

भिलाई में बड़ा हादसा टला : सीएनजी टैंकर लीकेज से मचा हड़कंप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेशनल हाईवे-53 पर स्थित डी-मार्ट के सामने रात लगभग 9 बजे उस समय भारी अफरा-तफरी मच गई। जब सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में लोड सीएनजी टैंकर से अचानक गैस का भीषण रिसाव होने लगा। टैंकर से निकल रही गैस का साउंड इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिसे सुनकर आसपास के लोग किसी बड़े धमाके की आशंका से सहम गए और इलाके में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, एनएचएआई की टीम और एसडीआरएफ के जवान तुरंत हरकत में आते हुए मौके पर पहुँच गए। दुर्घटनास्थल के बेहद करीब एक अस्पताल और एक मैरिज पैलेस स्थित होने के कारण स्थिति की गंभीरता और बढ़ गई थी। प्रशासन ने बिना एक पल गंवाए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए. सुरक्षा के लिहाज से पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया और नेशनल हाईवे पर वाहनों की आवाजाही तुरंत रोक दी गई। लगभग 30 से 40 मिनट तक तेज धमाके जैसी आवाज के साथ गैस का रिसाव लगातार होता रहा। सुरक्षा टीमों ने पूरी सावधानी और धैर्य का परिचय देते हुए स्थिति पर नजर रखी। गैस का रिसाव थमने के बाद टैंकर का वाल्व टाइट वाहन को सुरक्षित गंतव्य के लिए रवाना किया गया और हाईवे पर यातायात सुचारू रूप से बहाल कराया गया।

वंदे मातरम के अपमान पर बंकिम चंद्र के वंशज ने की सोनिया गांधी से माफी की मांग

नईदिल्ली। भाजपा विधायक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के सीधे वंशज सुमित्रो चटर्जी ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर 'वंदे मातरम' के पूरे संस्करण को लेकर हुई कथित घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोनिया गांधी से भारत के नागरिकों, विशेषकर पश्चिम बंगाल के लोगों से बिना शर्त माफी मांगने की अपील की।

अपने पत्र में चटर्जी ने लिखा कि जब देश स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मना रहा था और 'पूरा देश मातृभूमि की पूजा में लीन था', उस समय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में हुई घटनाएं 'न केवल दुर्भाग्यपूर्ण थीं, बल्कि एक ऐतिहासिक गलती को बेशर्मी से दोहराना थीं।' उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस कार्यकर्ता 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गा रहे थे, तब सोनिया गांधी की 'स्पष्ट बेचैनी, नाराजगी और इसे रोकने की बार-बार की कोशिशों' ने उन्हें बेहद दुखी किया। इस पूरे प्रकरण के लिए उन्होंने देश से माफी मांगने की मांग की है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर गोली चली महिला सहित 2 कर्मचारी घायल

वाराणसी। रविवार सुबह वाराणसी एयरपोर्ट पर हथियार की जांच के दौरान एक यात्री से गोली चल गई। इससे महिला समेत दो कर्मचारी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। यात्री कमलेश राय पत्नी के साथ एअर इंडिया एक्सप्रेस की ढ्ढङ्ग-1810 फ्लाइट से मुंबई जा रहे थे। उन्होंने विमान में ले जाने वाले हथियार को पहले ही डिक्लेयर किया था। हथियार की जांच के दौरान उससे एक राउंड फायर हो गया। स्थानीय पुलिस को सूचना दे दी गई है। यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आजमगढ़ के रहने वाले कमलेश शिवसेना नेता हैं। मुंबई में पूर्व पार्षद रह चुके हैं।

मानसून ने हिमाचल में मचाई तबाही, 118 सड़कें बंद, नुकसान 972 करोड़ के पार, 79 मौतें

शिमला ए.। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार बारिश से पहाड़ी जिलों में सड़कें बंद होने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और पेयजल योजनाओं के प्रभावित होने का सिलसिला जारी है।

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की 16 अगस्त सुबह 10 बजे की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 118 सड़कें बंद, 19 बिजली ट्रांसफार्मर बाधित और 216 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। एक दिन पहले शाम की रिपोर्ट में बंद सड़कों की संख्या 103 थी। यानी कुछ ही घंटों में 15 और सड़कें प्रभावित हो गईं।

बारिश से सबसे अधिक असर मंडी जिले में देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल

48 सड़कें बंद हैं। इनमें सराज में 26, थलौट में पांच, सुंदरनगर में चार, जोगिंद्रनगर में एक, पधर में नौ, धर्मपुर में एक और सरकाघाट में दो सड़कें शामिल हैं। इसके अलावा गोहर में तीन और करसोग में नौ सड़कें भी बंद बताई गई हैं। मंडी के बाद कुल्लू में 32 सड़कें बंद हैं। बंजार में 12, कुल्लू में आठ, आनी में चार और निरमंड में आठ सड़कें प्रभावित हैं। चंबा में 11, सिरमौर में आठ, शिमला में सात और कांगड़ा में छह सड़कें बंद हैं। लाहौल-स्पीति में दो और ऊना में चार सड़कें भी प्रभावित हैं।

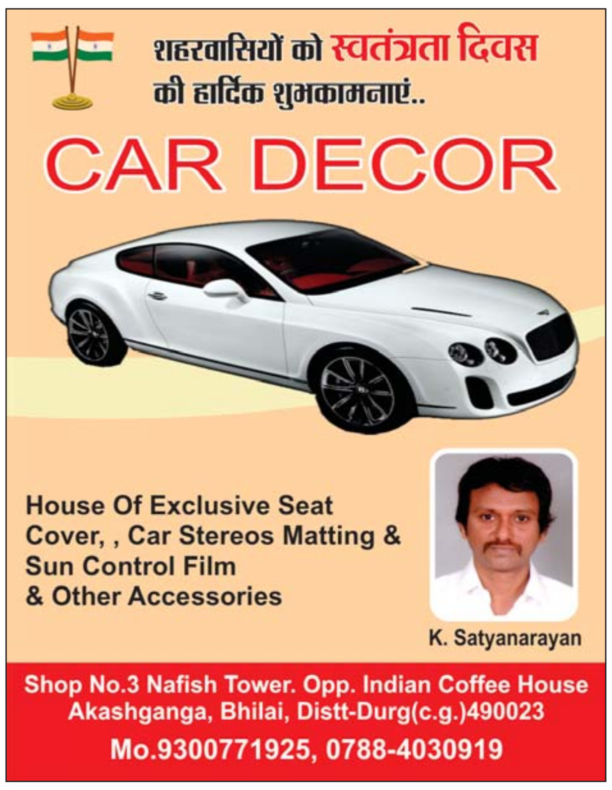

संपादकीय

सेहत की आज़ादी

बीमारियों की गुलामी से मुक्त होने का वक्त

देश की आजादी का संबंध जितना व्यवस्था के स्वास्थ्य से है, उतना ही उसके नागरिकों के स्वस्थ होने से भी। जैसे स्वस्थ शरीर में स्वस्थ आत्मा निवास करती है, ऐसे ही स्वस्थ नागरिकों पर देश का स्वास्थ्य निर्भर करता है। हर साल देश में सरकारों को अरबों रुपये लोगों के रोगों के उपचार हेतु खर्च करने पड़ते हैं। इस धन को विकास कार्यों पर भी लगाया जा सकता था। यूं तो व्यक्ति किसी महामारी, आनुवंशिक या किसी जेनेटिक रोग का शिकार हो सकता है, लेकिन आम तौर व्यक्ति स्वस्थ ही जन्म लेता है। लेकिन कहीं न कहीं सेहत के प्रति उदासीनता, आलस्य व प्रमाद के चलते व्यक्ति अस्वस्थ होता है। दरअसल, जीवन शैली की जटिलताओं के चलते ही हमारे रोगों का दायर बढ़ता जा रहा है। चिंता की बात यह है कि आज देश मधुमेह व हाइपरटेंशन की राजधानी बनता जा रहा है। सवाल यह है कि तमाम चिकित्सा अनुसंधान, शोध व नई-नई तकनीकों के ईजाद होने के बाद रोगों का सिलसिला थम क्यों नहीं रहा है? आज देश में एम्स व पीजीआईएमआर जैसे अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कालेजों और पांच सितारा अस्पतालों के बावजूद रोगियों का आंकड़ा दिन-दूनी रात चौगुनी गति से क्यों बढ़ता जा रहा है? लगातार बढ़ती मेडिकल स्टोरों की संख्या के बावजूद रोगियों की लाइन लंबी क्यों होती जा रही है? दरअसल, हमें जो सेहत बनाने की आजादी मिली है, हम उसका अतिक्रमण करते हैं। हमारे खानपान की अराजकता भी रोगों का कारण बनती है। हमारी नकारात्मक सोच हमारी बीमारी का कारण बनती है। हमारे असमय खान-पान की निरंकुश आजादी रोगों का कारण बनती है। हमारा विलासिता का जीवन रोगों को पालता है। भूख से ज्यादा खाना रोगों को जन्म देता है। हमारा असमय खाना रोगवर्धक है। नई पीढ़ी द्वारा हमें विरासत में मिली खान-पान की कला की अनदेखी, हमें बीमारियों की तरफधकेलती है। परंपरागत भोजन की उपेक्षा हमें रुग्ण बनाती है।

“ सेहत के प्रति उदासीनता, आलस्य व प्रमाद के चलते व्यक्ति अस्वस्थ होता है। दरअसल, जीवन शैली की जटिलताओं के चलते ही हमारे रोगों का दायर बढ़ता जा रहा है। चिंता की बात यह है कि आज देश मधुमेह व हाइपरटेंशन की राजधानी बनता जा रहा है। सवाल यह है कि तमाम चिकित्सा अनुसंधान, शोध व नई-नई तकनीकों के ईजाद होने के बाद रोगों का सिलसिला थम क्यों नहीं रहा है? आज देश में एम्स व पीजीआईएमआर जैसे अनेक प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कालेजों और पांच सितारा अस्पतालों के बावजूद रोगियों का आंकड़ा दिन-दूनी रात चौगुनी गति से क्यों बढ़ता जा रहा है?

हमने खानपान-जीवन शैली में पश्चिम की नकल तो खूब की है, लेकिन फिजिकल फिटनेस के उनके जुनून को अनदेखा कर दिया। हम लगातार शरीर के संकेतों की अनदेखी करके उसे रोगों की गुलामी की तरफ धकेल देते हैं। युवा अवस्था में तो हमारा शरीर खानपान की अराजकता झेल लेता है, लेकिन जैसे व्यक्ति पचास की उम्र पार करता है, उसकी डाइनिंग टेबल पर मेडिकल स्टोर खुल जाता है। बी.पी. की दवाई, शूगर की दवाई, जोड़ों के दर्द की दवाई, और तो और पाचन दुरुस्त करने की दवाइयां। चंडीगढ़ जैसे शहर में, जो अपने खूबसूरत पार्कों के लिये जाना जाता है, गिनती के लोग ही सुबह सैर करते नजर आते हैं। योग की कक्षाओं में गिने-चुने चेहरे दिखते हैं। लोग सुबह सैर व योग के समय नींद की गुलामी कर रहे होते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी लोग देर रात आफिस व काम-धंधों से लौटते हैं। पहले देर रात तक टीवी की गुलामी होती थी और अब देर रात तक मोबाइल की गुलामी करते हैं। मोबाइल की स्क्रीन को स्क्रॉल करते-करते रात हो जाती है तो फिर सुबह नींद कहां खुलेगी? प्राकृतिक चिकित्सा कहती है कि हम सूरज को उठायें, न कि सूरज हमें उठाये। भारतीय दर्शन में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की परंपरा है। इसका मतलब चार बजे उठना नहीं है। मतलब, सूरज उगने से एक-डेढ़ घंटे पहले हम उठ जाएं। दरअसल, इस समय शरीर में वात की सक्रियता से अपशिष्ट पदार्थ स्वत: ही बाहर निकलने को तैयार होते हैं। व्यक्ति को कब्ज नहीं होती। इस समय वायु शुद्ध होती है। यह आध्यात्मिक साधना का भी समय होता है। दिनभर हमारे शरीर में ताजगी बनाये रखता है। दरअसल, हमें सूर्य के चक्र के साथ उठना और भोजन करना चाहिए। इसी हिसाब से हमारी जठराग्नि सक्रिय होती है। निस्संदेह, आजादी के बाद हर किसी के जीवन में समृद्धि आई है, हमारा खान-पान समृद्ध हुआ, लेकिन उसी अनुपात में शारीरिक श्रम कम हुआ है। खेत में काम करने वाले किसान व श्रमिक को कोई टहलने व व्यायाम करने को नहीं कहता, क्योंकि उनकी दिनचर्या में श्रम है। सेहत की आजादी के लिये हमें उदासीनता-लापरवाही जैसी गुलामी की बेड़ियां तोड़नी ही पड़ेंगी।

स्वतंत्र भारत के मशालवाहक

सी. पी. राधाकृष्णन

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के इस महत्वपूर्ण अवसर पर मैं प्रत्येक भारतवासी को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही, मैं उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को सादर नमन करता हूं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

पिछले सप्ताह अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की अपनी यात्रा के दौरान मुझे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत हमारे राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा महान देशभक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा तिरंगा फहराए जाने की ऐतिहासिक स्मृति को नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह मेरे लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण अनुभव था कि मैं उस पवित्र धरती पर खड़ा था, जहां श्री नेताजी की आज़ाद हिंद फ़ौज ने 30 दिसंबर 1943 को भारत की भूमि पर पहली बार तिरंगा फहराया था। इस अवसर ने मुझे सितंबर 1939 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की मदुरै यात्रा का भी स्मरण कराया, जब वे महान स्वतंत्रता सेनानी पसुम्पोन मुथुरामलिंगा थेवर जी के निमंत्रण पर वहां पहुंचे थे। उस ऐतिहासिक क्षण ने क्षेत्र के असंख्य देशभक्तों के हृदय में स्वतंत्रता की अलख जगाई।

अंडमान स्थित राष्ट्रीय स्मारक सेल्युलर जेल की मेरी यात्रा एक अन्य अत्यंत प्रेरणादायी क्षण रही। इसी जेल में भारत माता के महान सपूत श्री वीर सावरकर जी, श्री योगेंद्र शुक्ल जी, श्री बटुकेश्वर दत्त जी, श्री सचिंद्र नाथ सान्याल जी और अनेक अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को औपनिवेशिक शक्तियों द्वारा कैद कर एकांत कारावास में रखा गया था। आज भी राष्ट्रीय स्मारक की ये दीवारें उन वीरों के साहस, उन्हें दी गई यातनाओं और सर्वोच्च बलिदान की गाथाएं सुनाती प्रतीत होती हैं, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। इस यात्रा ने मुझे उन सभी राष्ट्रनायकों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप यह लेख लिखने को प्रेरित किया, जिन्होंने करोड़ों लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित की और राष्ट्र को स्वतंत्रता प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ाया।

9 अगस्त को, जब हम भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति मना रहे थे, मुझे अंडमान द्वीप समूह में हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ करने का अवसर प्राप्त हुआ। वर्ष 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आह्वान करते हुए राष्ट्र को करो या मरो का ओजस्वी नारा दिया था। इस आह्वान के परिणामस्वरूप पूरे देश में आजादी प्राप्त करने की प्रबल आकांक्षा व्याप्त हो गई।

आज हमें उसी स्वतंत्रता सेनानी पीढ़ी के कारण स्वतंत्रता की हवा में सांस लेने और लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत संवैधानिक अधिकारों के साथ जीवन जीने का सौभाग्य प्राप्त है, जिन्होंने अपने समय की औपनिवेशिक शक्तियों के विरुद्ध संघर्ष किया। उस समय देश के कोने-कोने में करोड़ों वीर स्वतंत्रता सेनानी अटूट समर्पण और त्याग के साथ इस संघर्ष में शामिल हुए तथा अनेक वीरों ने भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

स्वतंत्रता सेनानियों की गौरवगाथा

स्वतंत्रता सेनानी चाहे उत्तर में कश्मीर से हों या दक्षिण में तमिलनाडु से, पश्चिम में गुजरात से हों या पूर्व में असम से—देश के सभी क्षेत्रों, वर्गों, आयु समूहों और लिंगों के लोगों ने भारत माता की स्वतंत्रता के साझा लक्ष्य के लिए एकजुट होकर संघर्ष किया।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान प्रतिरोध की अमर प्रतीक बनीं रानी लक्ष्मीबाई जी का शौर्य, मंगल पांडे जी का साहस और बाल गंगाधर तिलक जी का वह निर्भीक उद्घोष—स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा—स्वतंत्रता की ओर बढ़ते राष्ट्र के प्रत्येक कदम को शक्ति प्रदान करता रहा।

इसी क्रम में वी. ओ. चिदंबरम पिल्लै जी ने भारत का पहला स्वदेशी पोत-परिवहन उद्यम शुरू कर औपनिवेशिक शासन के आर्थिक प्रभुत्व को चुनौती दी। इससे यह सिद्ध हुआ कि स्वतंत्रता का संघर्ष केवल रणभूमि तक सीमित नहीं था, बल्कि आर्थिक और व्यावसायिक क्षेत्र में भी लड़ा गया था।

भगत सिंह जी, राजगुरु जी और सुखदेव जी की क्रांतिकारी भावना ने आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के लिए त्याग और बलिदान का मार्ग अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं रानी गैदिनल्यू जी की अदम्य भावना ने पूर्वोत्तर भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध प्रतिरोध की लौ प्रज्वलित रखी।

असम की युवा वीरांगना कनकलता बरुआ जी भारत छोड़ो आंदोलन का नेतृत्व करते हुए अपने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर अदम्य साहस के साथ आगे बढ़ीं और अपने प्राणों का बलिदान कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा जी तथा अनेक जनजातीय नेताओं ने भी औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध ऐतिहासिक प्रतिरोध का नेतृत्व किया।

इतिहास के पन्नों में ऐसी असंख्य गाथाएं हैं, जो साहस, संघर्ष, धैर्य और दृढ़ संकल्प से भरी हुई हैं। इन सभी गाथाओं ने मिलकर साहस और बलिदान की समृद्ध विरासत का निर्माण किया है। वे हमें याद दिलाती हैं कि भारत की स्वतंत्रता अनगिनत वीरों के सामूहिक संकल्प से प्राप्त हुई थी और उनकी विरासत आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती है।

स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान

इस स्वतंत्रता दिवस पर मैं तिरुप्पुर कुमारन जी को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं, जिन्हें लोकप्रिय रूप से कोडी काथा कुमारन अर्थात ध्वज की रक्षा करने वाले कुमारन के नाम से जाना जाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मेरे पैतृक स्थान तिरुप्पुर में उन्होंने आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। मृत्यु निकट जानते हुए भी उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज को धरती पर नहीं गिरने दिया। इसी कारण उन्हें यह सम्मानजनक उपाधि मिली।

कम उम्र में ही कुमारन जी के हृदय में देशभक्ति की लौ प्रज्वलित हो उठी थी। स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है के आह्वान से प्रेरित होकर वे स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए। महात्मा गांधी जी के आदर्शों से अत्यंत प्रभावित होकर कुमारन जी ने लोगों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रवाद की भावना जगाने के लिए देशबंधु युवा संघ की स्थापना की। कुमारन जी का दृढ़ विश्वास था कि सच्ची स्वतंत्रता तभी प्राप्त की जा सकती है, जब लोग औपनिवेशिक शासन के अन्याय के प्रति जागरूक हों और उसके विरुद्ध संघर्ष करने का साहस तथा स्पष्ट दृष्टि विकसित करें। गांधीवादी सामाजिक सुधार के सिद्धांतों के प्रति समर्पित कुमारन जी ने मद्यनिषेध अभियान को भी सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया। वे इसे सामाजिक और राष्ट्रीय पुनर्जागरण की दिशा में आवश्यक कदम मानते थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने ताड़ी की दुकानों के सामने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और लोगों को मद्यपान से दूर रहने तथा आत्म-अनुशासन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

10 जनवरी 1932 को सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान कुमारन जी ने एक जुलूस का नेतृत्व किया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे वे कुछ साहसी साथियों के साथ आगे बढ़े और तिरुप्पुर की सड़कों पर वंदे मातरम् के जोशीले नारे गूंज उठे। औपनिवेशिक शक्तियों ने इस समूह पर हमला कर दिया। वंदे मातरम् का उद्घोष करते हुए और राष्ट्रीय ध्वज को अपने शरीर से लगाए कुमारन जी के सिर पर गंभीर चोटें आईं और राष्ट्र के लिए उन्होंने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। मृत्यु के समय उनकी आयु मात्र 27 वर्ष थी।

जब मैं तिरुप्पुर कुमारन जी की आयु का उल्लेख करता हूं, तो मुझे उन अनेक युवाओं की याद आती है, जिन्होंने भारत माता के लिए अपने प्राण बलिदान कर दिए। इनमें भगत सिंह जी (23 वर्ष), सुखदेव जी (23 वर्ष), राजगुरु जी (22 वर्ष), खुदीराम बोस जी (18 वर्ष), कनकलता बरुआ जी (18 वर्ष), अनंत लक्ष्मण कान्हेरे जी (19 वर्ष), वंचिनाथन जी (25 वर्ष) और ऐसे अनेक युवा शामिल हैं। उन्होंने नश्वर जीवन त्याग कर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अमर स्थान प्राप्त किया।

मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उस पहल की सराहना करता हूं, जिससे राष्ट्रीय आंदोलन के उन गुमनाम नायकों को देश के सामने लाया जा रहा है, जिनका योगदान लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में अपेक्षाकृत अनदेखा रहा। मैं सभी ज्ञात और अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस ऐतिहासिक अवसर पर आइए, हम अपनी मातृभूमि के प्रति अपने दायित्वों पर चिंतन करें और अपनी प्रतिबद्धता पुनः दृढ़ करें। इस अमृतकाल में 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के स्वयं को समर्पित करें और राष्ट्र की प्रगति तथा समृद्धि के लिए मिलकर कार्य करें। यही उन वीर सपूतों के प्रति हमारी सबसे सच्ची और उचित श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अटूट साहस के साथ संघर्ष किया और हमारी स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण उत्सर्ग किए।

जय हिंद!.... भारत माता अमर रहे!

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं।)

कलम के ओज से जगाई आज़ादी की अलख

डॉ दयानंद

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन केवल मैदानों में लड़ी गई लड़ाइयों का इतिहास नहीं है, बल्कि यह कलम, विचार और शब्दों की भी एक विराट क्रांति थी। जब अंग्रेजी हुकूमत ने जनता की आवाज दबाने के लिए कठोर कानून बनाए, तब देश के अनेक पत्रकारों, लेखकों और क्रांतिकारियों ने लेखन को हथियार बना लिया। हरियाणा की धरती भी इस वैचारिक संघर्ष की साक्षी रही। यहां के अनेक स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारी पत्रकारों का साहित्य इतना राष्ट्रभक्तिपूर्ण व जनजागरण करने वाला था कि ब्रिटिश सरकार ने उसे प्रतिबंधित कर दिया। यह प्रतिबंध प्रमाण था कि उनकी कलम अंग्रेजों के लिए बड़ी चुनौती थी।

हरियाणा के क्रांतिकारी साहित्यकारों में कामरेड मांगेराम वत्स का नाम उल्लेखनीय है। रोहतक के मांडौठी गांव में जन्मे स्वतंत्रता सेनानी मांगेराम ने भूमिगत पत्रकारिता को आजादी के संघर्ष का माध्यम बनाया। उनका संबंध शहीद भगत सिंह व चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों से था। अंग्रेज सरकार का प्रेस पर कड़ा नियंत्रण था। राष्ट्रवादी विचारों छापना राजद्रोह माना जाता था। फिर भी मांगेराम और उनके साथियों ने साइक्लोस्टाइल मशीनों, हस्तलिखित प्रतियों व गुप्त वितरण तंत्र के जरिये क्रांतिकारी साहित्य गांव-गांव पहुंचाया।

उनके द्वारा प्रकाशित 'बोलसेविक' मजदूरों, किसानों व युवाओं में चेतना जगाता था।

इसी तरह 'कीर्ति' और 'कीर्ति की गूंज' जैसे पत्रों ने क्रांतिकारी विचारधारा को व्यापक आधार दिया। इनमें छपे लेख ब्रिटिश साम्राज्यवाद की तीखी आलोचना करते। मांगेराम वत्स इनके मुख्य प्रकाशक थे। लाहौर से प्रकाशित 'लाल ढिंढोरा' भी उनके प्रयासों से हरियाणा तक पहुंचता था जो उग्र राष्ट्रवादी तेवरों के लिए प्रसिद्ध था। हिसार से प्रकाशित 'शिवाजी' समाचार पत्र के संपादन में भी मांगेराम वत्स की अहम भूमिका रही। यह पत्र स्वराज्य की भावना को स्वतंत्रता संघर्ष से जोड़ता था। दिल्ली से निकलने वाले 'ब्राह्मण कुमार' के माध्यम से भी उन्होंने सामाजिक चेतना और राष्ट्रवाद का प्रसार किया। बता दें, उन्होंने पंडित श्रीराम शर्मा के प्रसिद्ध पत्र 'हरियाणा तिलक' में सहायक संपादक के रूप में कार्य करते हुए ब्रिटिश विरोधी लेख लिखे, जिसने क्षेत्रीय राष्ट्रीय चेतना को दिशा दी।

मांगेराम का योगदान केवल पत्रकारिता तक सीमित नहीं था। आजादी के बाद उन्होंने अपने संस्मरणों व ऐतिहासिक लेखन के जरिये हरियाणा के क्रांतिकारी आंदोलन का दस्तावेजीकरण किया। उनकी पुस्तक 'हरियाणा और क्रांतिकारी आंदोलन' शोधकर्ताओं के लिए अमूल्य स्रोत मानी जाती है। इसमें भूमिगत गतिविधियों, भगत सिंह से संबंधों व जेल के अनुभवों का चित्रण है। हरियाणा के प्रतिबंधित साहित्य की परंपरा में बाबू बालमुकुंद गुप्त का स्थान अत्यंत ऊंचा है। वे हिंदी पत्रकारिता के उन अग्रदूतों में थे जिन्होंने व्यंग्य को औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध हथियार बनाया। उनके प्रसिद्ध स्तंभ 'शिवशंभू के चिट्ठे' ने अंग्रेजी शासन की नीतियों, दमन और पाखंड पर करारा प्रहार किया। इस लेखन ने राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न की।

पंडित नेकीराम शर्मा ने अपने पत्र 'संदेश' के माध्यम से राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। उनके लेखों में स्वदेशी, स्वाभिमान और औपनिवेशिक शोषण के विरुद्ध स्पष्ट स्वर सुनाई देता था। अंग्रेजी सरकार में ऐसे प्रकाशनों पर निगरानी रखी गई और इन्हें दमन का सामना करना पड़ा। इसी कड़ी में पंडित श्रीराम शर्मा का 'हरियाणा तिलक' विशेष महत्व रखता है। यह मात्र समाचारपत्र नहीं, बल्कि हरियाणा की क्षेत्रीय राष्ट्रीय चेतना का मंच था। इसमें प्रकाशित लेख किसानों व विद्यार्थियों को स्वतंत्रता आंदोलन से जोड़ते थे। पत्र ने संदेश दिया कि हरियाणा की पहचान सिर्फ भौगोलिक क्षेत्र नहीं, राष्ट्र निर्माण की सक्रिय शक्ति है।

क्रांतिकारी साहित्य का एक और महत्वपूर्ण पक्ष था राम सिंह जाखड़ द्वारा वितरित किए गए गुप्त पर्चे। ये पर्चे जेलों के भीतर तक पहुंचते थे और बंदी क्रांतिकारियों का मनोबल बढ़ाते थे। उनमें त्याग, बलिदान और संघर्ष की प्रेरणा भरी होती थी। अंग्रेजी राज में ऐसे पर्चों को भी प्रतिबंधित किया गया। इन सभी क्रांतिकारी पत्रकारों और लेखकों ने साहित्य को केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं माना, बल्कि जनांदोलन का औजार बना दिया। उस दौर में रेडियो और बड़े संचार माध्यम अंग्रेजों के नियंत्रण में थे, तो छोटे समाचारपत्र, हस्तलिखित पर्चे व भूमिगत पत्रिकाएं लोगों तक खबरें पहुंचाती थीं। गांवों में लोग इन्हें छिपाकर पढ़ते, दूसरों को सुनाते और आगे पहुंचा देते। इस प्रकार प्रतिबंधित साहित्य ही मौखिक और लिखित जनसंचार आंदोलन बन गया। ब्रिटिश सरकार ने वर्नाकुलर प्रेस एक्ट, राजद्रोह कानून और जब्ती की कार्रवाइयों के जरिये इन आवाजों को दबाने का प्रयास किया। संपादकों को जेल भेजा, प्रेस सील कीं, प्रतियां जब्त की और जुर्माने लगाए। लेकिन दमन जितना बढ़ा, इन लेखकों की लोकप्रियता उतनी ही बढ़ती गई। जनता ने उन्हें अपने संघर्ष का प्रतिनिधि माना।

आज जब हम स्वतंत्र भारत में अभिव्यक्ति की आजादी का आनंद लेते हैं, तब इन क्रांतिकारी पत्रकारों के योगदान को याद करना जरूरी है। उन्होंने दिखाया कि कलम में सत्ता को चुनौती देने की अद्भुत शक्ति है। हरियाणा के इन प्रतिबंधित समाचारपत्रों व लेखकों ने अंग्रेजी शासन का विरोध किया व जनता में राष्ट्रीय गौरव और स्वतंत्रता की आकांक्षा भी जगाई। यह साहित्य केवल कागज पर लिखे शब्द नहीं थे; स्वतंत्रता की पुकार था। 'कीर्ति' की गूंज, 'बोलसेविक' की चेतावनी, 'लाल ढिंढोरा' का बिगुल, 'हरियाणा तिलक' का आत्मसम्मान और 'शिवशंभू के चिट्ठे' का व्यंग्य-इन सबने मिलकर हरियाणा की जनता के भीतर राष्ट्रभक्ति की ऐसी ज्वाला प्रज्जवलित की जिसे ब्रिटिश साम्राज्य बुझा नहीं सका।

आज जरूरत है कि इस विरासत को केवल इतिहास की पुस्तकों तक सीमित न रखा जाए। विश्वविद्यालयों, पत्रकारिता संस्थानों और सार्वजनिक विमर्श में इन क्रांतिकारी पत्रकारों के योगदान का अध्ययन होना चाहिए। स्वतंत्रता केवल तलवार से नहीं, विचारों से भी जीती जाती है- और हरियाणा के इन निर्भीक कलमकारों ने यह सत्य अपने जीवन और साहित्य से साबित कर दिया। यह तो प्रतिबंधित साहित्य के छोटी सी बानगी है। यह शोध का विषय है,इससे स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा के साहित्यकारों के योगदान की महत्वपूर्ण परतें खुल सकती हैं।

जंतर-मंतर के चौराहे पर लोकतंत्र

नरेश कौशल

आज देश का अवाम नये जज्बे और उमंग के साथ 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। आज़ादी के 79 वर्ष पूरे हो चुके हैं। यह अवसर केवल उत्सव मनाने का नहीं, बल्कि ठहरकर यह पूछने का भी है कि जिन पुरखों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर हमें आज़ादी का उपहार दिया था, हमने उस विरासत को कितना संभाला है। भीतर झांकें तो कहीं-कहीं यह अहसास होता है कि हमने स्वतंत्रता के अर्थ को अधिकारों तक सीमित कर दिया है और कर्तव्यों को सुविधानुसार भुला दिया है। कोई लोकतंत्र तभी कायदे से फलता-फूलता है जब उस देश के नागरिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों का सामंजस्य रखते हैं।

यह एक हकीकत है कि आजादी की लड़ाई की कीमत वह पीढ़ी ही जानती थी जिसने गुलामी की बेड़ियां महसूस की थीं। हजारों अनाम शहीदों ने अपने प्राण दिए। आजाद हिंद फौज के सेनानियों ने देश से दूर रहकर ब्रिटिश सत्ता से लोहा लिया। कितने परिवार उजड़े, कितनों ने यातनाएं सहीं और कितनों की शहादत इतिहास के पन्नों में भी दर्ज नहीं हो सकी। इसलिए 15 अगस्त महज एक छुट्टी का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन होना चाहिए। इस दिन हम स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग व बलिदान को गहरे तक महसूस करें। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री देश को संबोधित करेंगे। सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख होगा, नीतियों और योजनाओं की चर्चा होगी और देश की चुनौतियों पर भी बात होगी। इस बार का विमर्श 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष और 'विकसित भारत के लिए युवा शक्ति 2047' जैसे संकल्पों के इर्द-गिर्द रहेगा। लेकिन युवा शक्ति की बात करते हुए हमें जंतर-मंतर के उस चौराहे को भी याद करना चाहिए, जहां हाल में छात्रों ने अपने भविष्य और व्यवस्था की पारदर्शिता को लेकर आवाज उठाई। यह भी महसूस करना चाहिए कि आखिरकार उन्हें क्यों अपनी बात कहने के लिये जंतर-मंतर पर आंदोलन करने के लिये जाना पड़ा।

वास्तव में युवा ही किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ऊर्जा होते हैं। यदि छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे तो उनकी भावनाओं को गहरे तक अहसास करने की जरूरत है। जंतर-मंतर पर छात्रों ने दिखाया कि असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी ताकत है। उन्होंने अपनी बेचैनी को आंदोलन में बदला, लेकिन बड़े पैमाने पर अनुशासन और शांतिपूर्ण तरीके से। प्रश्नपत्रों की कथित लीक, परीक्षाओं में अनियमितता और भर्ती प्रक्रियाओं पर उठते सवाल केवल छात्रों के भविष्य का प्रश्न नहीं हैं; ये उस व्यवस्था की विश्वसनीयता का सवाल हैं, जो देश की अगली पीढ़ी की नियति तय करती है। ऐसे में छात्रों के आक्रोश की तार्किकता को समझने की भी जरूरत है।

सरकार ने पेपर लीक रोकने के लिए कानून कड़े किए हैं, सजा और जुर्माने बढ़ाए हैं तथा परीक्षा व्यवस्था की सुरक्षा मजबूत करने के कदम उठाए हैं। लेकिन किसी भी व्यवस्था की सबसे बड़ी सुरक्षा दीवार कानून नहीं, व्यवस्था से जुड़े लोगों का चरित्र भी होता है। जब व्यवस्था चलाने वालों का जमीर बिक जाए तो तकनीक, निगरानी और सुरक्षा तंत्र भी बेअसर हो सकते हैं। सही मायने में दोष केवल व्यवस्था का नहीं है। एक नागरिक व अभिभावक के रूप में हम अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। हकीकत में देखा जाए तो लीक हुआ प्रश्नपत्र खरीदने वाले अभिभावक और उसका अनुचित लाभ उठाने वाला विद्यार्थी भी उस नैतिक पतन के हिस्सेदार हैं।

मौजूदा समय के परिप्रेक्ष्य में देखें तो स्वतंत्रता का अर्थ मनमानी करने की छूट नहीं है। आजादी की मर्यादा हमें निजी जीवन में भी रखनी चाहिए। हम आजादी के मामले में अराजक व्यवहार नहीं कर सकते। देश के सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकना, चलती गाड़ियों से कचरा बाहर उछालना, नदियों में गंदगी और औद्योगिक अपशिष्ट बहाना—इसे आजादी नहीं कहा जा सकता। अरबों रुपये खर्च करने के बावजूद यदि गंगा और दूसरी नदियां प्रदूषण से मुक्त नहीं हो पा रहीं तो हमें सरकार से सवाल पूछने के साथ अपने आचरण पर भी सवाल करना होगा। आखिर नदी को गंदा कौन कर रहा है? अरबों रुपये बहाने के बाद भी गंगा मैली क्यों है?

वहीं दूसरी ओर यही बात शोर के अधिकार पर भी लागू होती है। बच्चों की परीक्षाओं, अस्पतालों में मरीजों के उपचार और बुजुर्गों या श्रमिकों की नींद के बीच देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाना अपनी आजादी का इस्तेमाल नहीं, दूसरे की आजादी का अतिक्रमण है। किसी एक व्यक्ति की आजादी वहीं तक है जहां से दूसरे व्यक्ति का अधिकार शुरू होता है। कहने का मतलब यह है कि हमारी आजादी निरंकुश नहीं हो सकती। हमें दूसरों की आजादी का भी सम्मान करना सीखना चाहिए।

वहीं दूसरी ओर देश में मिलावटखोरों, नकली दूध-घी-पनीर बेचने वालों, खाद्य पदार्थों को जहरीले रसायनों से पकाने वालों और मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों को भी आजादी के संदर्भ में यही बात समझनी होगी। चिकित्सा जैसे पवित्र पेशे में यदि कोई लालच के आगे मरीज की जिंदगी को गौण समझता है, तो वह केवल कानून का ही उल्लंघन नहीं, बल्कि वह मानवता के साथ विश्वासघात भी करता है। कमोवेश इसी तरह सार्वजनिक परिवहन, विमानन सेवाओं या किसी भी जिम्मेदारी वाले पेशे में लापरवाही कई जिंदगियों को संकट में डाल सकती है। ऐसे में उसे मनमाने व्यवहार करने की आजादी नहीं दी जा सकती है।

यह दुखद ही है कि रोज अखबारों में हत्या, हिंसा और क्रूरता की खबरें पढ़ने को मिलती हैं। हम देखते हैं कि अस्पतालों में एक डॉक्टर किसी की जिंदगी बचाने में घंटों जुटा रहता है। वहीं दूसरी ओर कोई अपराधी क्षण भर में किसी की जान लेने पर उतारू हो जाता है। आखिर हमारी संवेदनशीलता कहां चली गई? हम कैसे किसी व्यक्ति के जीने की आजादी को छीन सकते हैं? आजादी हमें केवल अपने अधिकारों के उपयोग करने का ही अधिकार नहीं देती; वह दूसरों के अधिकारों की रक्षा करने का दायित्व भी सौंपती है। लोकतंत्र संसद, विधानसभाओं और अदालतों तक सीमित नहीं है। उसका असली चेहरा नागरिक के आचरण में दिखाई देता है। उसी के आदर्श आचरण से लोकतंत्र समृद्ध होता है।

इस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इसलिए चारों लोकतांत्रिक स्तंभों—विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया—के साथ स्वयं नागरिक समाज की जवाबदेही की भी समीक्षा होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं है कि जंतर-मंतर का चौराहा हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में आवाज उठाना बेहद जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि आवाज के पीछे गहरी जिम्मेदारी का भाव हो।

सही मायने में देश की आजादी की असली रक्षा सीमा पर खड़ा सैनिक ही नहीं करता। वह ईमानदार शिक्षक, जिम्मेदार डॉक्टर, निष्पक्ष पत्रकार, कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी, मेहनती मजदूर और संवेदनशील नागरिक भी करता है। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें कि अपनी आजादी को भोगते हुए किसी दूसरे की आजादी न छीनें। यही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि और स्वतंत्र भारत के प्रति हमारा वास्तविक राष्ट्रधर्म भी होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

जिले में अब तक 561.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 16 अगस्त 2026 तक 561.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 683.1 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 417.4 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 630.1 मिमी, तहसील बोरी में 576.1 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 603.9 मिमी और तहसील अहिवारा में 458.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 16 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 5.4 मिमी, तहसील धमधा में 23.3 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 3.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 8.5 मिमी और तहसील अहिवारा में 8.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर खुल गया चंद्रा-मौर्या का अंडरब्रिज

भिलाई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आम नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए चन्द्रा मौर्य रोड अंडरब्रिज क्रमांक 358, वार्ड क्रमांक 30 को दिनांक 15.08.2026 से छोटे वाहनों के आवागमन हेतु महापौर नीरज पॉल, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा एवं जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता के उपस्थिति में खोला गया है। उक्त अंडरब्रिज में 2.55 मीटर से कम ऊंचाई वाले छोटे वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। भारी वाहनों के प्रवेश से अंडरब्रिज को क्षति एवं दुर्घटना की संभावना को देखते हुए वाहन चालक निर्धारित प्रतिबंध का पालन करें तथा आवश्यकतानुसार वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें। अधिकतम गति सीमा 20 किमी/घंटा निर्धारित रहेगी।

दुर्ग निगम के उपायुक्त को मिले आयुक्त के अधिकार

दुर्ग। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर नगर निगम दुर्ग के उपायुक्त मोहेन्द्र कुमार साहू को आयुक्त के पद पर नियमित पदस्थापना होने तक अस्थायी रूप से आगामी आदेश पर्यन्त तक आयुक्त के समस्त वित्तीय अधिकारो का प्रयोग करने हेतु अधिकुत करने का आदेश जारी किया है। नगर पालिक निगम के कर्मचारियों को वेतन भुगतान में हो रहे विलम्ब की जानकारी नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक रिजी जीएस एक्का को 7 अगस्त को स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ द्वारा दी गई थी जिसके बाद यह आदेश हुआ।

आत्मानंद स्कूल में सरपंच ने फहराया उल्टा तिरंगा

दुर्ग-भिलाई। दुर्ग जिले के बोरी स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल (सेजेस) में 15 अगस्त के कार्यक्रम के दौरान ध्वजारोहण में बड़ी चूक सामने आई। यहां तिरंगा उल्टा फहरा दिया गया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की पूरी तैयारी हो चुकी थी। सरपंच ध्वजारोहण करने पहुंचे और जैसे ही उन्होंने तिरंगा फहराया, वहां मौजूद लोगों की नजर झंडे पर गई। तिरंगा उल्टा लगा हुआ था। झंडे को तुरंत उतारा गया। फिर झंडे को सही तरीके से लगाया गया और इसके बाद दोबारा ध्वजारोहण किया गया।

विभाजन विभीषिका दिवस पर शहीदों एवं पीड़ितों को किया गया नमन, डिप्टी सीएम अरुण साव हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर नगर निगम के मोतीलाल वोरा सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री अरुण साव शामिल हुए। महापौर अलका बाघमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर,भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक,जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे,सहकारी नागरिक बैंक अध्यक्ष प्रितपाल बेलचलंदान, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, पूर्व मंत्री श्रीमती रामशिला साहू, कलेक्टर अभिजीत सिंह, आयुक्त मोहेंद्र साहू सहित एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, एल्डरमैन एवं निगम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर हम उन लाखों भारतीयों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं, जिन्होंने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान अकल्पनीय पीड़ा, विस्थापन और हिंसा का सामना किया। यह दिवस हमें इतिहास की उस त्रासदी को स्मरण करने और उससे सीख लेने का अवसर देता है।

उन्होंने कहा कि विभाजन केवल देश की सीमाओं का बंटवारा नहीं था, बल्कि यह लाखों परिवारों के घर, रिश्ते, सपने और स्मृतियों के बिखरने की त्रासदी थी। असंख्य लोगों ने अपने प्राण गंवाए और करोड़ों लोगों को अपना घर-बार छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। उन्होंने सभी पीड़ितों एवं दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि विभाजन विभीषिका दिवस हमें इतिहास को याद करने के साथ-साथ उससे सीख लेने का संदेश देता है। यह दिवस बताता है कि समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारा कितना आवश्यक है। हमें जाति, भाषा, क्षेत्र और अन्य सभी भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करना चाहिए।

भिलाई इस्पात संयंत्र में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

बीएसपी के निदेशक प्रभारी ने दी तिरंगे को सलामी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेनगेट परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य ध्वजारोहण समारोह में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र नेध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। सामूहिक राष्ट्रगान के साथ ही कार्यक्रम के श्री महापात्र द्वारा आसमान में तिरंगे गुब्बारे छोड़कर शांति एवं भाईचारे का संदेश दिया गया।

समारोह के दौरान सीआईएसएफके जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके पश्चात निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र एवं कमांडेंट (सीआईएसएफ) कुंवर बहादुर ने परेड का निरीक्षण किया। परेड में सीआईएसएफ के जवानों के विभिन्न प्लाटूनों के साथ महिला सीआईएसएफ कर्मियों, फायर एंड सेफ्टी कर्मियों तथा एनसीसी (आर्मी एवं एयर विंग) कैडेट्स और गाइड्स ने भाग लिया। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल-7, बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल-10 एवं भिलाई विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी परेड में सहभागिता की। इसके पश्चात बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। समारोह में श्री महापात्र ने कार्यपालक निदेशकों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ परेड में शामिल विभिन्न प्लाटूनों के प्लाटून कमांडरों एवं अन्य प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर कमांडेंट (सीआईएसएफ) कुंवर बहादुर, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट्स) प्रबीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान), कमल भास्कर तथा चेयरमैन, सेफी एवं अध्यक्ष, ओए-बीएसपी, एनके बंछोर सहित मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, ओए एवं यूनियन प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, संयंत्र कर्मी तथा बीएसपी विद्यालयों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र ने भिलाई इस्पात संयंत्र बिरादरी को 80वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि राजनीतिक स्वतंत्रता को आर्थिक मजबूती, औद्योगिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक प्रगति के साथ सुदृढ़ किया जाना आवश्यक है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में भिलाई इस्पात संयंत्र के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि संयंत्र द्वारा उत्पादित इस्पात रेलवे, अधोसंरचना, रक्षा, विद्युत तथा अन्य रणनीतिक क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

श्री महापात्र ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में बीएसपी ने चार ब्लास्ट फर्नेस के माध्यम से 60 लाख टन हॉट मेटल उत्पादन का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया, जो संयंत्र की सामूहिक क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं टीम भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय इस्पात नीति के अनुरूप भिलाई इस्पात संयंत्र अब विकास के अगले चरण की ओर अग्रसर है। लगभग 30,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावित विस्तार परियोजना के माध्यम से संयंत्र की उत्पादन क्षमता में 34.4 लाख टन की वृद्धि होगी और बीएसपी की कुल वार्षिक क्षमता बढ़कर 102 लाख टन हो जाएगी।

प्रस्तावित विस्तार परियोजना में 5,900 घन मीटर क्षमता वाला ब्लास्ट फर्नेस, 21 लाख टन क्षमता का स्टैम्प-चार्ज्ड कोक ओवन एवं बाई-प्रोडक्ट प्लांट, 34.4 लाख टन क्षमता की स्टील मेल्टिंग एवं थिन-स्लैब कास्ट डायरेक्ट-रोलिंग यूनिट के साथ विभिन्न यूटिलिटी एवं सहायक इकाइयां शामिल होंगी। इस विस्तार के माध्यम से संयंत्र को बाजार की मांग के अनुरूप फ्लैट उत्पादों के क्षेत्र में विविधीकरण के अवसर भी प्राप्त होंगे।

इस्पात भवन में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम द्वारा, रिफैक्ट्री स्टोर्स में कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) एके चक्रवर्ती द्वारा, नगर सेवाएं विभाग में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा, एचआर-एल एंड डी सेंटर में कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) पीके सरकार द्वारा, संयंत्र भवन में कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार द्वारा, एक्सपांशन भवन में कार्यपालक निदेशक (खदान) कमल भास्कर द्वारा ध्वजारोहण सम्पन्न किया गया। साथ ही संयंत्र के अन्य सभी विभागों में विभागप्रमुखों द्वारा, इस्पात क्लबों तथा स्कूलों में ध्वजारोहण किया गया।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर संगीत महाविद्यालय में 'निनाद एक्टिविटी कॉर्नर' का उद्घाटन

दुर्ग। नवीन शासकीय संगीत महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर 'निनाद एक्टिविटी कॉर्नर' का भव्य उद्घाटन किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए डॉ. अजय सिंह ने कॉर्नर का विधिवत शुभारंभ किया। देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर देश के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कारगिल विजय की याद में भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं। प्राचार्य श्रीमती ऋचा ठाकुर ने कहा कि ऐसे एक्टिविटी कॉर्नर छात्रों के कौशल उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निनाद कॉर्नर के माध्यम से विद्यार्थी संगीत, कला और सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे तथा बहुआयामी विकास की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। संचालन यशवंत कुमारे साहू ने किया। धनराज भोयर, ईशा देशमुख एवं गौरव मंहरे का योगदान रहा।

अपरिग्रह ही आत्म-स्वतंत्रता का सर्वोच्च उद्घोष : मणिभद्र मुनि

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत मानव मिलन के संस्थापक श्री मणिभद्र मुनि जी महाराज ने भगवान महावीर के महान अवदान 'अपरिग्रह' की व्याख्या करते हुए कहा कि अपरिग्रह केवल वस्तुओं का त्याग नहीं, बल्कि आसक्ति और पराधीनता से मुक्ति का मार्ग है। यह आत्म-स्वतंत्रता का सर्वोच्च उद्घोष है। उन्होंने कहा कि मनुष्य धन, सत्ता और प्रतिष्ठा अर्जित करके स्वयं को सम्राट समझना चाहता है। इसके लिए वह जोड़-तोड़, शक्ति प्रदर्शन और अनेक प्रकार के प्रयास करता है, दूसरों को अपना अधीन बनाना चाहता है। लेकिन विडंबना यह है कि दूसरों का स्वामी बनने की इस दौड़ में वह स्वयं धन, पद, प्रतिष्ठा और मोह का गुलाम बन जाता है। राष्ट्रसंत ने कहा कि वास्तविक सम्राट वह नहीं, जिसके पास सबसे अधिक संपत्ति या सत्ता है, बल्कि वह है जो अपने मन, इच्छाओं और मोह का स्वामी बन जाए। अपरिग्रही व्यक्ति अपने होने में संतुष्ट रहता है। उसे बाहरी वस्तुओं और व्यक्तियों के सहारे अपनी पूर्णता सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने चिंतन का विषय रखते हुए कहा कि जो व्यक्ति स्वयं का स्वामी नहीं बन सकता, वह किसी दूसरे का स्वामी कैसे बन सकता है? इसलिए भगवान महावीर का अपरिग्रह संदेश आज के भौतिकतावादी युग में और भी अधिक प्रासंगिक है। आवश्यकता से अधिक संग्रह अंतत: व्यक्ति को वस्तुओं का मालिक नहीं, बल्कि उन्हीं वस्तुओं का बंधक बना देता है। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर के मोह, लोभ, अहंकार और परिग्रह से स्वतंत्र होने का संकल्प लेना चाहिए। यही सच्ची आत्म-स्वतंत्रता है। धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर के अपरिग्रह संदेश को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

बीएसपी के मुख्य चिकित्सालय में मना स्वतंत्रता दिवस

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भिलाई महिला समाज की पदाधिकारियों द्वारा प्रात: 10:30 बजे, सेक्टर-9 स्थित जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में ध्वजारोहण किया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, सभी कार्यपालक निदेशकगण व मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ उदय कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ संबिता पंडा, भिलाई महिला समाज की पदाधिकारीगण कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती छवि निगम, उपाध्यक्ष श्रीमती मोली चक्रवर्ती, श्रीमती पूनम कुमार, श्रीमती केका सरकार, श्रीमती स्मिता भास्कर, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन, सहकोषाध्यक्ष श्रीमती रीता तिवारी सहित अन्य मुख्य चिकित्सा अधिकारीगण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ उपस्थित थे।

अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ एवं गतिशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सी-आर्म मशीन का उद्घाटन किया गया। सी-आर्म मशीन की उपलब्धता से अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को और मजबूती मिलेगी तथा मरीजों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर देशभक्ति एवं विभिन्न गतिविधियों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। श्री महापात्र ने प्रस्तुतियों की सराहना की और चिकित्सालय प्रबंधन को संबोधित करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि डीएनबी चिकित्सकों की उपस्थिति से चिकित्सालय की सेवाओं में वृद्धि सुनिश्चित हुई है। इसी क्रम में भिलाई महिला समाज की सदस्यों द्वारा मुख्य चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण किया गया। कार्यक्रम का समन्वय भिलाई महिला समाज की ओर से महासचिव श्रीमती सोनाली रथ द्वारा किया गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम का संचालन डॉ पूजा सियाल और डॉ माला चौधरी ने किया।

नगर पालिक निगम भिलाई में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता का उत्सव, महापौर पार ने किया ध्वजारोहण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय, सुपेला में गरिमामय एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महापौर नीरज पाल ने प्रात: 8:00 बजे ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी।

इस अवसर पर निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, सभापति गिरवर बंटी साहू, नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, महापौर परिषद सदस्य लालचन्द वर्मा, आदित्य सिंह, चंद्रशेखर गवई, पार्षद सुरेश कुमार वर्मा, चंदेश्वरी बांधे सहित अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा निगम के जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण के पश्चात महापौर नीरज पाल द्वारा यूनियन कार्यालय, नेहरू नगर चौक, श्रीराम वाटिका खुर्सीपार एवं शहीद उद्यान सेक्टर-05 में भी ध्वजारोहण किया गया। इन अवसरों पर उपस्थित नागरिकों एवं निगम कर्मचारियों ने राष्ट्रगान के साथ देश की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इसी क्रम में नगर पालिक निगम भिलाई के विभिन्न जोन कार्यालयों में प्रात: 7:30 बजे जोन समिति के अध्यक्षों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों एवं महान स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए देश की प्रगति, स्वच्छता एवं भिलाई के विकास में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य एवं सराहनीय सेवाओं के लिए निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। महापौर एवं निगम आयुक्त ने सम्मानित अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी उत्साह, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ जनसेवा और निगम हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

दुर्ग शहर में स्वतंत्रता उत्सव, पूर्व विधायक वोरा ने अनेक स्थानों पर किया ध्वजारोहण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। 80वें स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर दुर्ग शहर देशभक्ति के रंगों में सराबोर नजर आया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक अरुण वोरा ने शहर के प्रमुख स्थानों पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर ध्वजारोहण किया तथा नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

राष्ट्रगान की गूँज और भारत माता के जयकारों के बीच उन्होंने ध्वजारोहण कर वीरों की शहादत को नमन किया। गांधी प्रतिमा एवं गांधी चौक (इंदिरा मार्केट),राजीव भवन, काली मंदिर परिसर, वाणी रियल टैलेंट अकादमी, पंचशील नगर, दुर्ग रोडवेज एवं साई द्वार, शक्ति नगर एवं कुआँ चौक, बमलेश्वरी कॉलोनी, बोरसी में ध्वजारोहण किया गया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

स्वतंत्रता दिवस समारोहः मुख्यमंत्री ने पुलिस परेड ग्राउंड पर किया ध्वजारोहण, परेड की ली सलामी

नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ अब शांति, विकास और समृद्धि की नई यात्रा पर : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन पूरे हर्षोल्लास और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता के नाम अपने संदेश का वाचन भी किया। समारोह में 17 प्लाटूनों ने भव्य मार्च पास्ट कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह मार्च पास्ट भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी विमल कुमार पाठक के नेतृत्व में हुई। इस बार बिहार प्रदेश की पुलिस टुकड़ी आमंत्रित वर्ग में परेड में शामिल हुई। परेड के टूआईसी निशांत गौरव कुर्रे थे। परेड में सीमा सुरक्षा बल, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ एसएसबी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल , छत्तीसगढ़ पुलिस, जेल पुलिस, नगर सेन, एनसीसी , बैण्ड प्लाटून, घुड़सवार दल और डॉग स्क्वॉड शामिल रहे। समारोह में महिला बैग पाईपर बैंड दल ने भी आकर्षक प्रस्तुती दी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की परेड में उत्कृष्ट दलों को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया। केन्द्रीय बलों के वर्ग में भारत तिब्बत सीमा पुलिस की टुकड़ी को पहला स्थान मिला। आईटीबीपी के दल को पांच हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। दूसरे स्थान पर सीमा सुरक्षा बल और तीसरे स्थान पर केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल का दल रहा। सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ी को तीन हजार रूपए और सीआरपीएफ की टुकड़ी को दो हजार रूपए नकद राशि के साथ ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

राज्य बलों के वर्ग में पहला स्थान छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (महिला) को प्राप्त हुआ। विजेताओं को पांच हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ जेल पुलिस का दल दूसरे स्थान पर रहा, जिसे तीन हजार रूपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ सशस्त्र पुलिस बल (पुरूष) ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, जिन्हें दो हजार रूपए की नकद राशि और ट्रॉफी से नवाजा गया। कंटीजेंट एनसीसी वर्ग में पहला स्थान एनसीसी गर्ल्स और दूसरा स्थान एनसीसी बॉयज के दल को मिला। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दोनों दल कमांडरों को ट्रॉफी प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर परेड-टू-आईसी निशांत गौरव कुर्रे, परेड कमांडर विमल कुमार पाठक, महिला बैग पाईपर दल की कमांडर सोनबती ठाकुर, घुड़सवार दल के कमांडर अनिल यादव, श्वान दल के कमांडर राज कपूर सहित परेड प्रस्तुतियोजन के लिए डॉ. अनुराधा दुबे और मनीष परमानंद को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की नदियों को जोड़ने की सोच को आगे बढ़ाते हुए 'सिकासार-कोडार नहर लिंकिंग परियोजना' के लिए 3,047 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक की मंजूरी दी गई है।

अटल सिंचाई योजना के माध्यम से बंद पड़ी सिंचाई परियोजनाओं का पुनरुद्धार किया जा रहा है।

बस्तर में शांति के साथ विकास का नया सूर्योदय

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साहसिक नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता मिली है। माओवाद से मुक्त बस्तर में आज तिरंगा यात्राओं के माध्यम से स्वतंत्रता का उत्सव मनाया जा रहा है। जो क्षेत्र कभी हिंसा और भय से प्रभावित थे, वहां आज शांति, विश्वास और विकास की नई सुबह हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर की सर्वांगीण प्रगति डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। जगदलपुर में राष्ट्रीय स्तर की मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक का आयोजन बदलते बस्तर की नई पहचान का प्रतीक है। अब बस्तर के नवनिर्माण का स्वर्णिम समय है।

अन्नदाता की समृद्धि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अन्नदाता हमारे भाग्य विधाता हैं और उनका सुख, सम्मान तथा समृद्धि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों से 3,100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जा रहा है। 'कृषक उन्नति योजना' की राशि का एकमुश्त भुगतान होली से पहले किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार फसल विविधीकरण को भी बढ़ावा दे रही है। धान के बदले दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी और रागी जैसी फसल लेने पर 'कृषक उन्नति योजना' के अंतर्गत 15 हजार रुपए की आदान सहायता देने का निर्णय लिया गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद किसानों के लिए खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

हर परिवार के पक्के घर का सपना हो रहा साकार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मोदी की गारंटी' के अनुरूप प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है। कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति के बाद अब तक 24 लाख 50 हजार आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' और 'मुख्यमंत्री खाद्यान्न सहायता योजना' के माध्यम से 73 लाख परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

महिला सशक्तीकरण से परिवार और प्रदेश दोनों हो रहे मजबूत

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'महतारी वंदन योजना' के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। योजना के अंतर्गत अब तक 19 हजार 444 करोड़ रुपए महिलाओं के खातों में अंतरित किए गए हैं। प्रदेश में 13 लाख 85 हजार महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से 56 हजार से अधिक पीवीटीजी परिवारों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंची हैं, 6,691 जनजातीय बहुल गांवों में 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' का लाभ दिया जा रहा है।

युवाओं के लिए रोजगार से नवाचार तक खुल रहे नए द्वार

मुख्यमंत्री साय ने स्वामी विवेकानंद के युवा शक्ति पर विश्वास का स्मरण करते हुए कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए रोजगार, शिक्षा, कौशल, खेल और नवाचार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक सुधार किए गए हैं। 'छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल' बनाया गया है तथा परीक्षाओं में नकल और अनुचित साधनों को रोकने के लिए सख्त कानून पारित किया गया है।

एआई मिशन से भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार होगा छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 500 करोड़ रुपए के 'छत्तीसगढ़ राज्य एआई मिशन' को मंजूरी दी है। इसके अंतर्गत 100 एआई डेटा लैब, पांच सेंटर ऑफएक्सीलेंस और 50 से अधिक एआई आधारित सेवाएं विकसित की जाएंगी। छह लाख विद्यार्थियों तथा डेढ़ लाख शासकीय कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। 'छत्तीसगढ़ स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति' के अंतर्गत 100 करोड़ रुपए का स्टार्टअप फंड बनाया गया है। पीएम सेतु के अंतर्गत 30 आईटीआई का उन्नयन किया जा रहा है। प्रदेश में फॉरेंसिक यूनिवर्सिटी कैंपस, निफ्ट और नाइलिट जैसे संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं। गीदम, कुनकुरी, जांजगीर-चांपा, मनेंद्रगढ़ और कवर्धा में पांच मेडिकल कॉलेज इसी सत्र से प्रारंभ किए जा रहे हैं।

उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित हुए पुलिस एवं नगर सेना के अधिकारी-कर्मचारी

आईजी रामगोपाल सहित 10 अधिकारियों को भारतीय पुलिस पदक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के 80वें पावन अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गरिमामय राज्य स्तरीय मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से छत्तीसगढ़ पुलिस एवं नगर सेना के अधिकारियों तथा जवानों को उनकी कर्तव्यनिष्ठा, असाधारण कार्यकुशलता और विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित पदकों तथा राज्य स्तरीय पुरस्कारों से अलंकृत किया गया।

समारोह में रक्षित केन्द्र धमतरी के सहायक उप निरीक्षक रामावतार सिंह राजपूत को उनकी 36 वर्षों से अधिक की निष्ठावान सेवा और आधारभूत प्रशिक्षण में उत्कृष्ट योगदान हेतु देश के सर्वोच्च 'राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा पदक-2026' से सम्मानित किया गया।

सराहनीय सेवाओं, अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था एवं आधुनिक नवाचारों के लिए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों सहित कुल 10 पुलिसकर्मियों को 'सराहनीय सेवा हेतु भारतीय पुलिस पदक-2026' प्रदान किया गया।

इस पदक से अलंकृत होने वालों में पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज रामगोपाल (भा.पु.से.), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायगढ़ शशिमोहन सिंह (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक एटीएस नवा रायपुर राजमिश्रा (भा.पु.से.), पुलिस अधीक्षक रायपुर ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा (भा.पु.से.), सेनानी 7वीं वाहिनी छ.स.बल भिलाई निवेदिता पॉल, सेनानी 20वीं वाहिनी छ.स.बल महासमुंद मनीषा ठाकुर रावटे, पुलिस उपायुक्त रायपुर तारकेश्वर पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशेष आसूचना शाखा नवा रायपुर सुउनैजा खातून अंसारी, सहायक सेनानी प्रथम वाहिनी छ.स.बल भिलाई जयलाल मरकाम तथा प्लाटून कमाण्डर 20वीं वाहिनी छ.स.बल महासमुंद हजारी लाल साहू शामिल हैं। आपदा प्रबंधन, राहत कार्यों और जनसेवा में अद्वितीय भूमिका निभाने के लिए नगर सेना राजनांदगांव के नायक उत्तम कुमार साहू को शिवनाथ नदी में बाढ़ बचाव कार्य तथा नगर

सेना रायपुर के लांस नायक जोगेश्वर कुमार धीवर को उत्कृष्ट गोताखोरी व प्रशिक्षण कार्यों के लिए 'गृह रक्षक तथा नागरिक सुरक्षा सराहनीय सेवा पदक-2026' प्रदान किया गया।

कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति-जनजाति तथा महिला एवं बाल सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों को वर्ष 2025 के राज्य स्तरीय एवं पुलिस महानिदेशक पुरस्कारों से नवाजा गया। इसके तहत जांजगीर-चांपा के सहायक उप निरीक्षक रामेश्वर प्रसाद यादव को 'गुरु घासीदास पुरस्कार' (50 हजार रुपये नकद व बिलासपुर रेंज को रनिंग शील्ड) प्रदान किया गया। कमजोर वर्गों एवं महिला-बाल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रायपुर की निरीक्षक अर्चना धुरंधर को 'राज्यपाल पुरस्कार' एवं 'रानी सुबरन कुंवर पुरस्कार' (प्रत्येक में 50 हजार रुपये नकद व रायपुर रेंज को रनिंग शील्ड) से अलंकृत किया गया। गरियाबंद की अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सुनिशा सिन्हा को पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने हेतु 'मुख्यमंत्री पुरस्कार' (50 हजार रुपये नकद व रायपुर रेंज को रनिंग शील्ड), अजाक थाना बिलासपुर के निरीक्षक उत्तम साहू को उत्कृष्ट थाना संचालन हेतु 'शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार' (50 हजार रुपये नकद व बिलासपुर रेंज को रनिंग शील्ड) तथा उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) बिलासपुर डी.आर. टंडन को 'पुलिस महानिदेशक पुरस्कार' (25 हजार रुपये नकद एवं प्रशंसा पत्र) से सम्मानित किया गया।

समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद (भा.पु.से.) के संपूर्ण प्रभार तथा नगर पुलिस अधीक्षक दर्री (कोरबा) विमल कुमार पाठक (भा.पु.से.) के नेतृत्व में भव्य परेड का आयोजन किया गया। परेड में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल, जेल पुलिस, नगर सेना, एन.सी.सी. तथा विशेष शाखाओं की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया।

गरिमामय और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ऐतिहासिक लालबाग मैदान, जगदलपुर में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास, गरिमा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

जिला स्तरीय मुख्य समारोह में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी और परेड का निरीक्षण करते हुए आकर्षक मार्चपास्ट की सलामी ली। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का स्वतंत्रता दिवस संदेश जनता के नाम वाचन किया।

समारोह में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने परंपरा के अनुरूप शहीद परिवारों और भूतपूर्व सैनिकों से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक बद्रीनारायण मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। शस्त्र रहित दलों की श्रेणी में एनसीसी पीएम श्री सेजेस जूनियर डिवीजन, धरमपुरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

16 प्लाटूनों ने किया शानदार मार्चपास्ट

स्वतंत्रता दिवस समारोह में परेड कमांडर उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण भारती और परेड टू-आईसी उप निरीक्षक ओम प्रकाश के नेतृत्व में 16 प्लाटूनों ने बैंड की धुन पर शानदार मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। शस्त्र सहित दलों की श्रेणी में सीआरपीएफ 241वीं महिला बटालियन, सेड़वा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीआरपीएफ 80वीं पुरुष बटालियन, कैंप जगदलपुर ने द्वितीय तथा जिला नगर सेना महिला बल, बस्तर ने तृतीय स्थान हासिल किया। अन्य उत्कृष्ट दलों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

स्वतंत्रता दिवस-2026 : राज्यपाल डेका ने लोकभवन में किया ध्वजारोहण

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह लोकभवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला रानी डेका काकोटी भी उपस्थित थी। राज्यपाल ने लोकभवन सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने लोकभवन के कर्मचारियों के परिजनों एवं बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की और बच्चों को टॉफी-मिठाई वितरित की। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर प्रसन्ना, विधिक सलाहकार सत्यभामा अजय दुबे, उप सचिव निधि साहू सहित लोकभवन के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। राज्यपाल रमेन डेका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोकभवन से 6 मोबाइल एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये एम्बुलेस भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी को महारत्न कंपनी आरईसी के सीएसआर के अंतर्गत दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने किया ध्वजारोहण

स्कूली बच्चों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति, स्टेडियम स्कूल ग्राउंड मोहला में हुआ जिला स्तरीय समारोह, हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में 80 वें स्वतंत्रता दिवस हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के स्टेडियम स्कूल ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया तथा सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा शांति के प्रतीक श्वेत कपोत व विकास के प्रतीक तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गये। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत नम्रता सिंह, उपाध्यक्ष भोजेश शाह मंडावी, अध्यक्ष जनपद पंचायत मोहला गैंदकुवर ठाकुर, कलेक्टर तुलिका प्रजापति, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह, डीएफओ दिनेश पटेल, एडीएम मिथलेश डोंडे सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, अनिल गुप्ता, रमेश हिड़ामें, एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें। ध्वजारोहण एवं सलामी के पश्चात मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया। समारोह में आईटीबीपी, जिला पुलिस बल, एनसीसी एवं स्काउट-गाइड के छात्र-छात्राओं की टुकड़ियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि ने परेड में शामिल जवानों एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने शहीदों के परिवारजनों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने शहीद परिवारों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सपूतों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

बच्चों ने दी देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, कर्मचारी हुए सम्मानितः स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिले के स्कूली बच्चों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं संस्कृति की भावना से ओत-प्रोत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम स्थान पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास मोहला, द्वितीय स्थान स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मोहला तथा तृतीय स्थान सरस्वती शिशु मंदिर मोहला ने प्राप्त किया। इसी प्रकार परेड मार्च पास्ट प्रदर्शन में प्रथम स्थान छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 14वीं वाहिनी पुलिस बल, द्वितीय स्थान जिला पुलिस बल महिला टुकड़ी तथा तृतीय स्थान जिला पुलिस बल नव आरक्षक टुकड़ी ने प्राप्त किया। मौके पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

तकनीक कभी भी कला की जगह नहीं ले सकती : तेजस्वी प्रकाश

अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो प्लेग्राउंड के 5वें सीजन में जज और मेंटर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है। गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया।

उन्होंने कहा, तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है।

हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विजुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है।

बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुष भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं।

शो की बात करें, तो यह भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो एंटरटेनमेंट, कंपटीशन और इन्फ्लुएंसर कल्चर को एक साथ मिलाकर बना शो है। यह शो वर्चुअल प्लेग्राउंड के कॉन्सेप्ट पर बना हुआ है। इसमें यंग क्रिएटर्स, गेमर्स और इंटरनेट की मशहूर हस्तियां एक साथ आती हैं। इसमें अलग-अलग चैलेंज में हिस्सा लिया जाता है और साथ ही दोस्ती, दुश्मनी और टीम वर्क को भी मैनेज किया जाता है। यह शो प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जा रहा है।

चॉकलेट ब्राउन को-ऑर्ड सेट में पूजा हेगड़े का ग्लैमरस अवतार, किलर लुक पर फिदा हुए फैंस

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की खूबसूरत अभिनेत्री पूजा हेगड़े अपने बेहतरीन फैशन सेंस और ग्रेसफुल अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने नए फोटोशूट की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका बोल्ड और क्लासी अवतार साफ नजर आ रहा है।

इन तस्वीरों में पूजा की खूबसूरती और स्टाइल स्टेटमेंट को देखकर उनके प्रशंसक मंत्रमुग्ध हो गए हैं। तस्वीरों में पूजा ने रिच चॉकलेट ब्राउन शेड का मोनोक्रोमैटिक को-ऑर्ड सेट पहना है, जिसका सैटिन फिनिश फैब्रिक लुक में शाइन जोड़ रहा है।

पूजा ने स्ट्रैपलेस, एसिमेट्रिक ओवरलैप कट वाला ट्यूब/बर्स्टियर टॉप कैरी किया है, जो फ्रंट-स्लिट कटआउट के साथ एक बोल्ड और ट्रेंडी अपील देता है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग वाइड-लेग और लूज-फिटेड फ्लेयर्ड पैंट्स पेयर की हैं, जो उन्हें एक बॉस-लेडी लुक देती हैं। लुक को पूरा करने के लिए पूजा ने डार्क ब्राउन कलर की हील्स पहनी हैं, जो उनके टॉल बॉडी पोस्चर को पूरी तरह सूट कर रही हैं।

पूजा ने गले में एक खूबसूरत लेयर्ड गोल्ड एंटीक चोकर-स्टाइल नेकलेस और पेंडेंट पहना है। हाथों में स्टेटमेंट गोल्ड बैंगल्स और ब्रेसलेट्स उनके लुक में विंटेज चार्म जोड़ रहे हैं। हेयर स्टाइल: बालों को उन्होंने सॉफ्ट कर्ल्स/वेव्स के साथ साइड-पार्टेड ओपन स्टाइल में रखा है, जो हवा में लहराते हुए काफी अट्रैक्टिव लग रहे हैं।

न्यूड पिंकिश लिपस्टिक, सॉफ्ट ब्लश और मिनिमल आई मेकअप के साथ पूजा का ग्लोइंग स्किन टोन निखर कर आ रहा है। कैमरे की ओर उनके न्यूट्रल, एटीट्यूड-भरे और किलर एक्सप्रेशन्स हर तस्वीर में कमाल लग रहे हैं।

तस्वीरों में पूजा हेगड़े कभी दीवार से टिककर कैजुअल पोज देती नजर आ रही हैं, तो कभी फ्रंट कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए अपनी कातिलाना अदाएं बिखेर रही हैं।

साइकिलिंग को बनाएं अपनी दिनचर्या का हिस्सा मिलेंगे ये फायदे

साइकिलिंग न केवल एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, बल्कि यह हमारे जीवन को कई तरीकों से बेहतर बना सकती है। जब हम साइकिल चलाते हैं तो हम अपने आसपास के माहौल को और करीब से महसूस करते हैं। इससे हमें ताजगी का एहसास होता है। इसके अलावा साइकिलिंग से हम नई जगहों का पता लगा सकते हैं और नए लोगों से मिल सकते हैं। आइए जानते हैं कि साइकिलिंग से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

तनाव से मिलेगी मुक्ति

साइकिलिंग करने से हमें तनाव से राहत मिल सकती है। जब हम साइकिल पर होते हैं तो हमारे दिमाग को एक नई ऊर्जा मिलती है। यह हमें ताजगी का एहसास कराता है और मानसिक थकान को दूर करता है। सड़क पर साइकिल चलाते समय हम अपने आसपास की सुंदरता को महसूस कर सकते हैं, जो हमारे मन को शांति देती है। इसके अलावा यह हमें नई जगहों का पता लगाने और नए अनुभव प्राप्त करने का मौका भी देती है।

सेहत के लिए है फायदेमंद

साइकिलिंग हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। यह हमारे दिल को मजबूत बनाती है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ाती है और शरीर में खून का संचार बेहतर करती है। नियमित साइकिलिंग करने से हमारे शरीर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और हम अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। इसके अलावा यह हमारे वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करती है और हमें फिट रखने में सहायक है।

पर्यावरण के लिए है अच्छा

साइकिलिंग पर्यावरण के लिए भी बहुत अच्छी होती है। जब हम साइकिल चलाते हैं तो हम वाहनों द्वारा होने वाले प्रदूषण को कम करते हैं। इससे हवा साफ रहती है और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा साइकिल चलाने से हमें प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने का मौका मिलता है, जो हमारे मन को शांति देती है। यह न केवल हमारे लिए बल्कि पूरे समाज और पर्यावरण के लिए एक अच्छा विकल्प है।

पैसे की बचत

साइकिलिंग आर्थिक रूप से भी फायदेमंद हो सकती है। जब हम साइकिल पर चलते हैं तो हमें पेट्रोल या डीजल पर खर्च नहीं करना पड़ता। इससे हमारे खर्चे कम होते हैं और हमारी बचत बढ़ती है। इसके अलावा साइकिल चलाने से हमें पार्किंग शुल्क भी नहीं देना पड़ता, जिससे हमारी और भी बचत होती है। यह हमारे लिए एक आर्थिक और पर्यावरण अनुकूल विकल्प है, जो हमारे बजट को भी संतुलित रखता है।

नई जगहों का करें पता

साइकिलिंग करते समय हम नई जगहों का पता लगा सकते हैं, जिनके बारे में शायद ही कभी सुना हो। इससे हमारा ज्ञान बढ़ता है और हम नए अनुभव प्राप्त करते हैं।

इसके अलावा हम नए लोगों से मिल सकते हैं और नई दोस्ती कर सकते हैं। इस प्रकार साइकिलिंग हमारे जीवन में कई सकारात्मक बदलाव ला सकती है।

इसलिए इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना बहुत जरूरी है ताकि हम स्वस्थ रहें और जीवन का पूरा आनंद ले सकें।

प्रियंका चोपड़ा ने श्रीदेवी की बायोग्राफी एम्प्रेस की पहली झलक दिखाई, जल्द होगी जारी

बॉलीवुड की बेहतरीन अदाकारा श्रीदेवी भले आज हमारे बीच न हों, लेकिन उनका जिक्र की लोगों की नजरों के सामने उनके तमाम लोकप्रिय किरदारों को ले आता है।

13 अगस्त को उनकी जयंती के अवसर पर जहां फैंस श्रीदेवी को याद कर रहे हैं, वहीं प्रियंका चोपड़ा ने श्रद्धांजलि देते हुए एक खास चीज सोशल मीडिया पर साझा की है। ये खास चीज कुछ और नहीं, बल्कि श्रीदेवी पर लिखी जा रही बायोग्राफी एम्प्रेस का कवर पेज है।

प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर श्रीदेवी पर लिखी जा रही किताब की पहली झलक का अनावरण किया है, जिसे एम्प्रेस- द डेफिनिटिव बायोग्रॉफी ऑफ श्रीदेवी नाम दिया गया है।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, श्रीदेवी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आप हमेशा याद की जाएंगी।

पोस्ट के आखिर में उन्होंने किताब का नाम जोड़ते हुए उन्होंने बताया कि एम्प्रेस जल्द आने वाली है। उनकी स्टोरी को श्रीदेवी के पति और फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने भी इंस्टाग्राम पर री-शेयर किया है।

धीरज यू कुमार द्वारा लिखित श्रीदेवी की बायोग्राफी एम्प्रेस का ऐलान साल 2023 में वेस्टलैंड बुक ने किया था।

इसमें अभिनेत्री के बचपन से लेकर फिल्म दुनिया के सफर और निजी जिंदगी के पहलुओं को शामिल करनेकी बात कही गई थी। खासतौर पर, 1980 से 1990 के दशक के बीच उन्होंने जिस तरह सिनेमा में अपनी पकड़ बनाई, ये जिक्र किताब में हो सकता है।

बता दें, 54 वर्षीय श्रीदेवी का निधन 24 फरवरी, 2018 को दुबई में हुआ था।

क्या ऑफिस से घर आते ही पीठ में दर्द होता है? जानिए इसके कारण

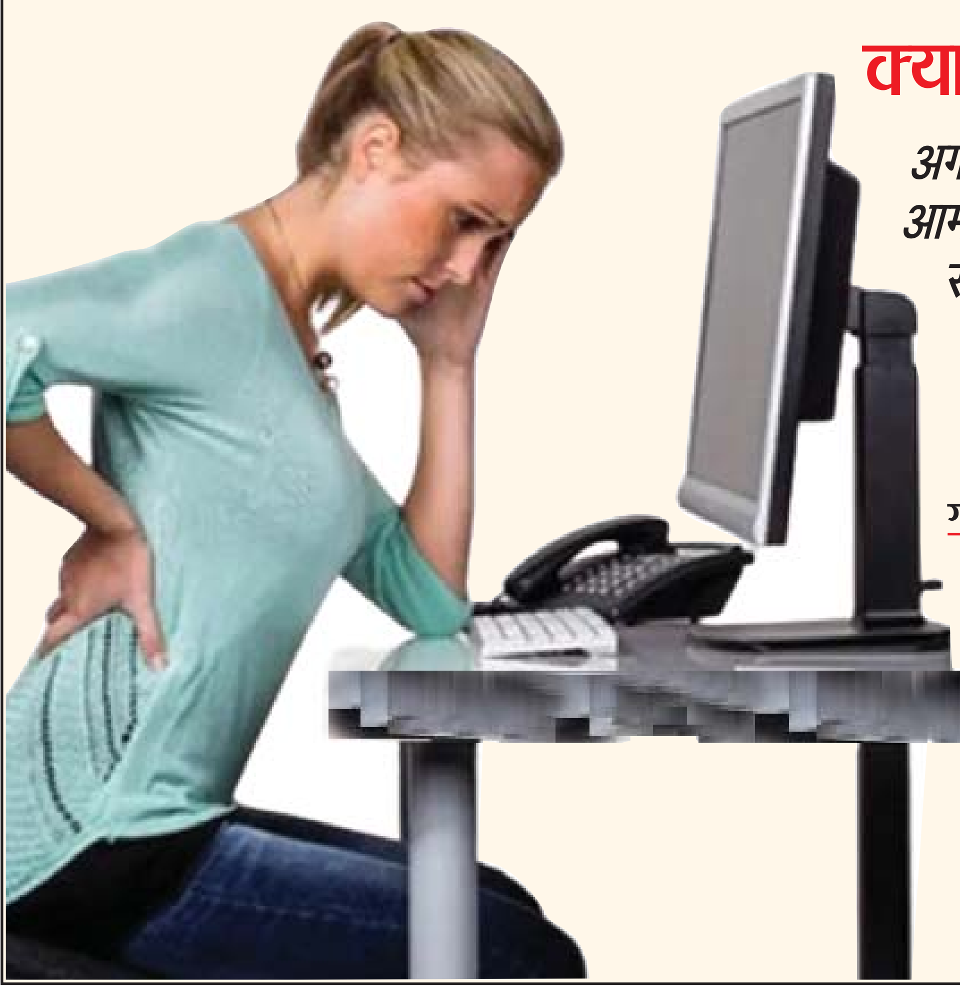

अगर ऑफिस से घर आते ही आपकी पीठ में दर्द होने लगता है तो यह एक आम समस्या है। यह दर्द कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि गलत तरीके से बैठना, भारी बैग उठाना या शारीरिक गतिविधियों की कमी। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे कारण बताएंगे, जिनके कारण आपको ऑफिस से घर आते ही पीठ में दर्द हो सकता है और इससे राहत पाने के तरीके भी जानेंगे।

गलत तरीके से बैठना

ऑफिस में लंबे समय तक काम करते समय अक्सर हम सही तरीके से नहीं बैठ पाते।

गलत तरीके से बैठने से हमारी रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है, जिससे पीठ में दर्द हो सकता है। इसलिए कोशिश करें कि हमेशा सीधे बैठें और पीठ को सहारा देने वाले कुशन का उपयोग करें। इसके अलावा समय-समय पर थोड़ा टहलें और थोड़ी स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करें ताकि आपकी मांसपेशियों में खिंचाव बना रहे और दर्द से राहत मिल सके।

भारी बैग उठाना

अगर आप अपने लैपटॉप या अन्य जरूरी सामान एक भारी बैग में लेकर आते-जाते हैं तो इससे भी आपकी पीठ पर असर पड़ सकता है।

भारी बैग उठाने से आपकी पीठ की मांसपेशियां खींच सकती हैं, जिससे दर्द हो सकता है। इसलिए कोशिश करें कि सामान को दोनों हाथों से समान रूप से उठाएं या फिर पहियों वाले बैग का उपयोग करें ताकि वजन का दबाव आपकी पीठ पर न पड़े।

लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहना

लंबे समय तक कंप्यूटर स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन देखते रहने से भी आपकी पीठ पर असर पड़ सकता है।
स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करते हुए आप अपनी मुद्रा पर ध्यान नहीं देते, जिससे रीढ़ की हड्डी पर दबाव पड़ता है।

इस समस्या से बचने के लिए हर 30 मिनट बाद ब्रेक लें और अपनी आंखों को आराम दें। इस दौरान थोड़ा टहलें और अपनी पीठ को खींचे ताकि रक्त संचार बेहतर हो सके।

शारीरिक गतिविधियों की कमी

अगर आप रोजाना कुछ मिनट भी एक्सरसाइज नहीं करते तो इससे आपकी मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं, जिससे पीठ में दर्द हो सकता है।

नियमित एक्सरसाइज करने से आपकी मांसपेशियों में ताकत आती है और दर्द की समस्या कम होती है। आप योग, पाइलेट्स या हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज कर सकते हैं, जो आपकी पीठ और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं।

इसके अलावा नियमित एक्सरसाइज से रक्त संचार भी बेहतर होता है।

तनाव और मानसिक दबाव

तनाव और मानसिक दबाव भी पीठ दर्द का एक अहम कारण हो सकता है।

जब हम मानसिक रूप से परेशान होते हैं तो हमारी मांसपेशियां तनावग्रस्त हो जाती हैं, जिससे हमें पीठ दर्द हो सकता है।

इसलिए अपने तनाव को प्रबंधित करना सीखें और ध्यान, सांस की क्रियाएं या अन्य मानसिक शांति देने वाली गतिविधियों में हिस्सा लें। इन सरल उपायों का पालन करके आप अपने ऑफिस से घर आते ही होने वाले पीठ दर्द से राहत पा सकते हैं।

खास-खबर

119 अमृत सरोवरों में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

रायपुर। सरगुजा जिले में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के 119 अमृत सरोवरों में हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किए गए। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में सभी अमृत सरोवरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। ध्वजारोहण के साथ जनभागीदारी, ग्रामीण संवाद, जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। 'जनसंवाद 2.0' के अंतर्गत 'विकसित भारत ग्राम संकल्प' कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें 'विकसित भारत संदेश', 'ग्रामीण जनसंवाद', 'मेरे गांव की प्राथमिकता' एवं संकल्प-शपथ जैसे कार्यक्रम प्रमुख रहे। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने गांव की आवश्यकताओं और विकास की प्राथमिकताओं पर संवाद किया। साथ ही विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल में गरिमामय ढंग से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

रायपुर। देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल में उत्साह, उमंग और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर स्थित मंडल मुख्यालय में मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में मंडल आयुक्त अवनीश कुमार शरण सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रदेशभर में स्थित सभी संभागीय एवं संपदा कार्यालयों में भी गरिमामय ढंग से ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर सेनानियों और वीर सपूतों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान को स्मरण करने का दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं मंत्री ओ.पी. चौधरी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के समग्र विकास में मंडल अपनी भूमिका को और प्रभावी ढंग से निभा रहा है।

आजादी में छत्तीसगढ़ के वीर नायकों का योगदान नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा दायित्व : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वतंत्रता दिवस पर सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के योगदान, अमर सेनानियों के शौर्य एवं बलिदान, 'वंदे मातरम' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा और राज्य में सुशासन एवं विकास की उपलब्धियों को समेटे यह प्रदर्शनी अतीत के गौरव से वर्तमान की उपलब्धियों और भविष्य की आकांक्षाओं तक छत्तीसगढ़ की यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रदर्शनी के विभिन्न खंडों का अवलोकन किया और वहां प्रदर्शित दुर्लभ छायाचित्रों, दस्तावेजों एवं सूचनात्मक सामग्री में विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए छत्तीसगढ़ की धरती के अनेक वीर सपूतों ने संघर्ष और बलिदान किया। उनके योगदान और राष्ट्रभक्ति की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। ऐसी प्रदर्शनियां युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने के साथ उनमें राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और देश के प्रति समर्पण की भावना को और मजबूत करती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी केवल इतिहास का स्मरण नहीं कराती, बल्कि विरासत से प्रेरणा लेकर विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण के संकल्प को भी सुदृढ़ करती है। एक ओर इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान की अमर गाथाएं हैं, तो दूसरी ओर जनकल्याणकारी योजनाओं, सुशासन, आधुनिक अधोसंरचना और नई तकनीक के माध्यम से बदलते छत्तीसगढ़ की तस्वीर भी दिखाई गई है।

प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर केंद्रित खंड है। इसमें 'वंदे मातरम्' की रचना से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन में इसके राष्ट्रजागरण के मंत्र के रूप में स्थापित होने तक की यात्रा को ऐतिहासिक संदर्भों और छायाचित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'वंदे मातरम्' ने देशवासियों को एक सूत्र में बांधने और मातृभूमि के लिए त्याग एवं बलिदान की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके स्वर ने स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों में नई ऊर्जा का संचार किया। 150 वर्ष की इस ऐतिहासिक यात्रा को प्रदर्शनी में विशेष स्थान देकर नई पीढ़ी को 'वंदे मातरम्' के राष्ट्रभाव और उसके ऐतिहासिक महत्व से परिचित कराया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर की दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक धरोहरों - टाउन हॉल और शहीद स्मारक - के संरक्षण, साज-सज्जा एवं नवीनीकरण के लिए 50-50 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद स्मारक राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों की स्मृतियों को संजोए हुए है, जबकि ऐतिहासिक टाउन हॉल रायपुर की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन धरोहरों का संरक्षण हमारी गौरवशाली विरासत के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है।

छत्तीसगढ़ के वीर सेनानियों की संघर्ष और बलिदान की गौरवगाथा

प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ की भूमिका को विस्तार से प्रदर्शित किया गया है। प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों, जननायकों और अमर बलिदानियों के योगदान से जुड़े दुर्लभ छायाचित्र, दस्तावेज और ऐतिहासिक प्रसंग यहां दर्शकों को स्वतंत्रता आंदोलन के उस दौर से रूबरू कराते हैं, जब छत्तीसगढ़ की धरती पर भी ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष और जनजागरण की आवाज बुलंद हुई थी। महात्मा गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास तथा यहां के सामाजिक एवं राष्ट्रीय आंदोलनों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों को प्रदर्शनी में विशेष स्थान दिया गया है। इन ऐतिहासिक दस्तावेजों के माध्यम से नई पीढ़ी यह जान सकेगी कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ का योगदान कितना व्यापक और गौरवपूर्ण रहा है।

कृषि उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें कृषि वैज्ञानिक और विद्यार्थीः डॉ. चंदेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ. (कर्नल) गिरीश चंदेल ने कृषि महाविद्यालय, रायपुर में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रध्वज का आरोहण किया एवं परेड की सलामी ली। कुलपति डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर देश की आजादी में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं अमर वीर बलिदानियों को नमन किया। डॉ. चंदेल ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी को आजाद हुए आठ दशक हो रहे हैं।

इस दौरान भारत ने काफी प्रगति की है और विभिन्न क्षेत्रों में तीव्र विकास हुआ है। इसके बावजूद देश के समक्ष अनेक चुनौतियां भी विद्यमान हैं जिनमें देश को कृषि उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना भी है। डॉ. चंदेल ने कृषि वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों से देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के छात्रों को कृषि की उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने के लिए देश के लगभग 70 से अधिक अग्रणी विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थाओं के साथ एम.ओ.यू. किया गया है। इस वर्ष विश्वविद्यालय के दो वैज्ञानिकों एवं पांच विद्यार्थियों का विदेशी शिक्षण संस्थानों में शोध अध्ययन हेतु चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर एवं शोधार्थी छात्र एवं छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठियों में बेस्ट पोस्टर, बेस्ट प्रेजेंटेशन आदि अवार्ड प्राप्त किये। इसी प्रकार विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट सांइटिस्ट, बेस्ट एग्रीकल्चर इंजिनियर आदि अवार्ड प्राप्त किया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए वाट्सएप चैट बोट प्ळज्ञट ब्वददमबज का लोकार्पण भी किया गया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में विश्वविद्यालय के शोध विद्यार्थियों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को बेस्ट सर्वश्रेष्ट रिसर्च पब्लिकेशन हेतु सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के खेल-कूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्र-छात्राओं, खेलकूद एवं एन.सी.सी. के कैडेट्स एवं एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले प्राध्यापकों/वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक, विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी, निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक शिक्षण डॉ. विजय कुमार, निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. नितिन रस्तोगी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.पी. त्रिपाठी, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. सेंगर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राज्यपाल ने स्वतंत्रता दिवस पर नेत्रहीन छात्राओं को स्मार्ट स्टिक प्रदान किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने लोकभवन में नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, रायपुर द्वारा संचालित प्रेरणा गुरुकुलम विद्या पीठम की नेत्रहीन छात्राओं को स्मार्ट स्टिक प्रदान किया। यह स्मार्ट स्टिक छात्राओं को सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर तरीके से आवागमन में सहायता करेगी।

इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी तथा राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना उपस्थित थे।

राज्यपाल ने छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिव्यांगजनों को समान अवसर और आत्मनिर्भरता प्रदान करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आधुनिक तकनीक के माध्यम से नेत्रहीन विद्यार्थियों के जीवन को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

80वें स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी भवन परिसर में हुआ ध्वजारोहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नया रायपुर स्थित जीएसटी भवन परिसर में गरिमामय ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रध्वज को सलामी दी।

समारोह में पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग तथा जीएसटी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने तथा देश और प्रदेश के विकास में पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ योगदान देने का संकल्प लिया। समारोह में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का वातावरण रहा।

स्वतंत्रता दिवस पर मंडल परिसर में शान से लहराया तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष रामप्रताप सिंह ने नया रायपुर स्थित ऑफिस कॉम्प्लेक्स के मंडल परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ किया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान हुआ तथा देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अध्यक्ष श्री रामप्रताप सिंह ने कहा कि देश की स्वतंत्रता असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का अमूल्य परिणाम है। उनके आदर्शों और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर हम सभी को राष्ट्रहित एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराती है। देश की एकता, अखंडता और प्रगति को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका पूरी जिम्मेदारी के साथ निभानी होगी। ध्वजारोहण कार्यक्रम के उपरांत अध्यक्ष रामप्रताप सिंह ने वन विकास निगम, छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन सहित विभिन्न शासकीय कार्यालयों में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोहों में भी सहभागिता की। इस अवसर पर 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के संदर्भ में स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम को स्मरण किया गया।

उपस्थितजनों ने देश की एकता, अखंडता, समृद्धि एवं सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।

जवानों के शौर्य ने लिखा बस्तर का नया इतिहास : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

अमर वाटिका में शहीदों को दी श्रद्धांजलि, वीरता पदक से अलंकृत जवानों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बस्तर के वीर जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन किया। जगदलपुर स्थित अमर वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कांकेर, नारायणपुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में पदस्थ वीरता पदक से अलंकृत पुलिस जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के शौर्य और बलिदान ने बस्तर के इतिहास को नई दिशा दी है। नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का श्रेय जवानों के साहस, समर्पण और दृढ़ संकल्प को जाता है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवान कठिन परिस्थितियों और आईईडी जैसे घातक खतरों के बीच भी पूरी निष्ठा और साहस के साथ अपने कर्तव्य पर डटे रहे हैं। राज्य गठन के 25 वर्षों के भीतर छत्तीसगढ़ पुलिस के 141 जवानों को गैलेंट्री अवार्ड से सम्मानित किया जाना उनके अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद बस्तर के उन दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में भी राष्ट्रीय पर्वों पर तिरंगा फहराया जा रहा है, जहां पहले ऐसा संभव नहीं था। इस वर्ष 93 नए स्थानों पर तिरंगा फहराकर सुरक्षा बलों ने लोकतंत्र, विश्वास और राष्ट्रभावना की नई नींव मजबूत की है।

श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रभावी स्थापना जवानों के पराक्रम और स्थानीय जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बंदूक के बल पर कायम व्यवस्था जनता के अधिकारों की रक्षा नहीं कर सकती। लोकतंत्र में वही व्यवस्था मान्य है, जो जनता द्वारा चुनी गई हो और जनता के प्रति जवाबदेह हो। उन्होंने बताया कि टेकुलगुड़ा जैसे क्षेत्रों में सुरक्षा कैंपों को 'शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा' के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों में स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के अनुरूप स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी और कौशल विकास केंद्र जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

शर्मा ने कहा कि बस्तर में शांति, विकास और लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में लगातार सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर में सुख, शांति और विकास का नया मार्ग प्रशस्त करने में सुरक्षा बलों के साथ-साथ यहां की जनता की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

आधुनिक शिक्षा और तकनीक से जुड़ेंगे बस्तर के बच्चे

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री शर्मा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता बस्तर के जल, जंगल और संस्कृति को संरक्षित रखते हुए यहां के बच्चों को आधुनिक शिक्षा और तकनीक से जोड़ना है। जिन क्षेत्रों में कभी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, वहां अब विकास की नई संभावनाएं तैयार हो रही हैं।

210 नक्सलियों का हथियारों के साथ आत्म-समर्पण बड़ी उपलब्धि

उप मुख्यमंत्री ने जगदलपुर में अगस्त 2025 के दौरान हुए बड़े आत्मसमर्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि 210 नक्सलियों द्वारा 163 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण शांति और पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इसे सुरक्षा बलों के दृढ़ संकल्प और बस्तर में शांति की स्थापना की दिशा में बड़ी सफलता बताया।

सौर ऊर्जा से रोशन राहें, स्वच्छ पेयजल से आसान हुई जिंदगी

कोरबा। जिले के दूरस्थ, दुर्गम और पहुंचविहीन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) की पहल अब ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। सौर ऊर्जा आधारित योजनाओं के माध्यम से जहां रात के अंधेरे में आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम हुआ है, वहीं सोलर ड्यूल पंपों से दूरस्थ गांवों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला खनिज संस्थान न्यास मद से जिले के विभिन्न स्थानों पर 09 सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें कुदरीचौली से भैंसमा राष्ट्रीय राजमार्ग, उरगा से भैंसमा राष्ट्रीय राजमार्ग तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पसान जैसे महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं।

खास खबर

अर्जुनी रेलवे ट्रैक पर मिली युवक की सिर कटी लाश

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार के भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र स्थित अर्जुनी में अंबुजा सीमेंट संयंत्र के पास रेलवे ट्रैक पर 15 अगस्त की देर शाम एक युवक का सिर कटा शव मिला। मृतक की पहचान अर्जुनी के बजरंग चौक निवासी 25 वर्षीय दिनदयाल रजक के रूप में हुई है। पुलिस ने शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना है, क्योंकि घटनास्थल पर सिर और धड़ आस-पास पाए गए। घटना की सूचना मिलने पर भाटापारा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव के सिर और धड़ को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच में यह ट्रेन की चपेट में आने से हुई मौत का मामला प्रतीत हो रहा है, जो अक्सर रेलवे ट्रैक पर होती हैं। पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ कर रही है ताकि मौत के कारणों का पता चल सके। मृतक दिनदयाल रजक अर्जुनी बजरंग चौक का निवासी था।

मां की शराब की लत से तंग बेटे ने की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक कलयुगी बेटे ने अपनी मां की शराब पीने की आदत से तंग आकर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मामला डौंडी थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतका का नाम 55 वर्षीय सुशीला गांवड़े है। वह ग्राम घोठिया का रहने वाली थी। बताया जा रहा है कि, मृतका सुशीला गांवडे शराब पीने की आदी थी। इसी बात को लेकर अक्सर अपने बेटे लीकेश गांवडे के साथ विवाद होता था। रविवार को भी इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि, बेटे लीकेश ने लकड़ी के पाटा से मां के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने इस मामले की कार्रवाई करते हुए आरोपी बेटे 28 वर्षीय लीकेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जूर्म कबूल लिया।

जीपीएस ने खोली ट्रक चोर की राह, 2 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। टाटीबंध क्षेत्र से करीब 50 लाख रुपए कीमत के 16 चक्का ट्रक की चोरी के मामले में आमानाका पुलिस ने महज दो घंटे के भीतर वाहन बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जीपीएस लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ट्रक की लगातार निगरानी करते हुए आरोपी तक पहुंच बनाई। पुलिस के मुताबिक 14 अगस्त को प्रार्थी ने सूचना दी कि वह ट्रक क्रमांक CG-21-J-9580 लेकर टाटीबंध क्षेत्र में रुका था। इसी दौरान शौचालय जाने के लिए वह ट्रक को खड़ा कर कुछ देर के लिए दूर गया।

वापस लौटने पर ट्रक मौके से गायब मिला। वाहन की अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई गई। सूचना मिलते ही थाना आमानाका में अपराध दर्ज कर तत्काल पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने ट्रक में लगे जीपीएस की लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को आधार बनाकर संभावित मार्गों पर तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने जीपीएस से मिल रही लोकेशन के आधार पर चोरी किए गए ट्रक का लगातार पीछा किया। संभावित रास्तों पर निगरानी और समन्वित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने महज दो घंटे में ट्रक को बरामद कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त पश्चिम रायपुर रॉबिनसन गुड़िया, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त पुरानी बस्ती देवांश सिंह राठौर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में की गई। पुलिस ने चोरी गए वाहन की त्वरित बरामदगी के साथ आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित की है। प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई और विवेचना जारी है।

मरवाही में 3 अलग-अलग गुटों में बंटे हाथी, धान की फसलों को पहुंचा रहे नुकसान; डीएफओ ने जारी किया अलर्ट

श्रीकंचनपथ समाचार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के मरवाही वन मंडल क्षेत्र में तीन हाथी अलग-अलग गुटों में बंटकर विचरण कर रहे हैं। ये हाथी लगातार ग्रामीणों की धान की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वन विभाग ने अलर्ट जारी किया है। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, एक हाथी घुसरिया गांव के देवराज पारा क्षेत्र में है। दूसरा हाथी निष्कर्ष राय के खेत में घुसकर धान की खड़ी फसल खा रहा है। वहीं, तीसरा हाथी घुसरिया परिसर के कक्ष क्रमांक 2051 के अंतर्गत जंगल के निचले हिस्से में संजय राय के खेत में फसल को नुकसान पहुंचा रहा है।

वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

हाथियों के अलग-अलग समूहों में बंटकर खेतों में उतर आने से आसपास के इलाकों में खतरा बढ़ गया है। वन विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अलर्ट जारी किया है।

घुसरिया, चरचेडी, पटेल टोला, मजीतटोला, चिचगोहना और सचराटोला गांवों के निवासियों को विशेष रूप से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मरवाही के डीएफओ कुमार निशांत ने ग्रामीणों से सुरक्षा बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण हाथियों के करीब न जाएं और न ही उन्हें उकसाने या भगाने का प्रयास करें।

रात के समय जंगलों और खेतों की ओर अकेले जाने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें। वन विभाग की टीम हाथियों की लगातार निगरानी कर रही है और ग्रामीणों को हर संभव सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास कर रही है।

दुर्ग में रिटायर्ड बीएसपी कर्मचारी ने फर्जी निवेश में गंवाए रुपए, 9वीं फेल आरोपी अरेस्ट

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई । छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में 45 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और समाजसेवी सुधा मूर्ति के नाम के विज्ञापन दिखाकर निवेश से जुड़े कई दावे किए और एक रिटायर्ड बीएसपी कर्मचारी से पैसे ऐंठ लिए। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने मध्यप्रदेश के बैतूल से आरोपी विशाल नागले (24) को गिरफ्तार किया है। अभी मास्टरमाइंड की तलाश जारी है। ठगों ने बीएसपी कर्मचारी को लिंक भेजा था, जिसमें रजिस्ट्रेशन फीस, ट्रेडिंग, मार्जिन, सोने-तेल में निवेश और टैक्स के नाम पर अलग-अलग किस्तों में पैसे लिए। इस तरह कुल 45 लाख 18 हजार 998 रुपए की ठगी की।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी विशाल 9वीं फेल है और पेशे से मजदूर है। वह साल 2020 में मजदूरी के लिए पुणे गया था। वहां पर लॉट में ऑनलाइन अकाउंट खुलवाया गया था। उसके इसी अकाउंट में ठगी के पैसे आए। हालांकि पुलिस अभी मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित जयंत बागची (61) भिलाई के हुडको के रहने वाले हैं। वे भिलाई इस्पात संयंत्र से रिटायर हो चुके हैं। इससे पहले वे भारतीय सेना में भी सेवा दे चुके हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 10 मार्च 2026 को वे मोबाइल पर फेसबुक चला रहे थे। इसी दौरान उन्हें ऑनलाइन निवेश से जुड़ा एक विज्ञापन दिखाई दिया। इसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सचिन तेंदुलकर और सुधा मूर्ति जैसे बड़े नामों का इस्तेमाल किया गया था। विज्ञापन देखकर उन्हें लगा कि यह निवेश योजना भरोसेमंद है। उन्होंने विज्ञापन में दिए लिंक पर क्लिक कर रजिस्ट्रेशन कर दिया। रजिस्ट्रेशन के बाद उनकी बात कृतिका नाम की महिला से हुई। उसने खुद को निवेश प्रक्रिया से जुड़ा बताया। कृतिका ने पीड़ित के वरिष्ठ नागरिक होने की बात कहते हुए 18,998 रुपए रजिस्ट्रेशन फीस मांगी। पीड़ित ने ऑनलाइन यह रकम जमा कर दी। इसके बाद ठगों ने अलग-अलग बहाने बनाकर उनसे पैसे ऐंठने का सिलसिला शुरू कर दिया।

रजिस्ट्रेशन के बाद सिद्धार्थ विपुल नाम के एक व्यक्ति ने पीड़ित से संपर्क किया। उसने खुद को अकाउंट मैनेजर बताया और ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश कराने की बात कही। आरोपियों ने भरोसा दिलाने के लिए यह भी बताया कि उनका कारोबार यूके, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया समेत चार देशों में चलता है। इसके बाद ठगों ने निवेश के नाम पर पीड़ित से अलग-अलग तारीखों में बड़ी रकम जमा कराई। 17 मार्च को 1 लाख रुपए, जबकि 24 और 25 मार्च को 5-5 लाख रुपए जमा कराए गए। इसके अलावा आरोपियों ने मार्जिन बढ़ाने के नाम पर भी पीड़ित से और पैसे मांगे।

पुलिस के मुताबिक 26 मार्च को पीड़ित की बातचीत करण तनेजा नाम के व्यक्ति से कराई गई। उसने ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रहे युद्ध का हवाला देते हुए सोने के भाव में तेजी आने की बात कही और इसमें निवेश को फायदे का सौदा बताया। इसके बाद पीड़ित ने 27 मार्च को 25 लाख रुपए और निवेश कर दिए। वहीं 9 अप्रैल को ऑयल में निवेश के नाम पर 5 लाख रुपए और 16 अप्रैल को 4 लाख रुपए और जमा कराए। इस तरह अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा कराते-कराते पीड़ित द्वारा कुल 45,18,998 रुपए निवेश किए गए। जब पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने कहा कि उसका ट्रेडिंग अकाउंट बंद करना होगा। इसके बाद ट्रेडिंग अकाउंट में 2,71,275.68 अमेरिकी डॉलर का लाभ और मूल रकम मिलाकर रकम दिखाई गई। पीड़ित ने करीब 2,70,000 अमेरिकी डॉलर निकालने के लिए अपने बैंक खाते की जानकारी दी। आरोपियों ने कहा कि यह क्रॉस बॉर्डर ट्रांजेक्शन है, इसलिए रकम आने में दो-तीन दिन लगेंगे।

20 अप्रैल को जब पीड़ित ने रकम के बारे में जानकारी ली तो आरोपियों ने नया पेंच डाल दिया। उन्होंने कहा कि 2,70,000 अमेरिकी डॉलर की रकम निकालने के लिए 15 प्रतिशत टैक्स, यानी 34 लाख रुपए से अधिक की राशि जमा करनी होगी। पीड़ित ने टैक्स की रकम काटकर शेष राशि देने को कहा। इसके बाद आरोपियों ने मांग घटाकर 12 लाख रुपए कर दी और कहा कि यह राशि जमा करने के बाद आंशिक भुगतान किया जाएगा। इसके बाद समीर नाम के व्यक्ति ने भी पीड़ित से बातचीत कर टैक्स जमा करना जरूरी बताया।

नशीले इंजेक्शन तस्करी मामले में चौथा आरोपी झारखंड से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। बलरामपुर में नशीले इंजेक्शन की अंतरराज्यीय तस्करी के मामले में बलरामपुर पुलिस ने चौथे आरोपी को झारखंड के गढ़वा से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राजू कुमार गोंड (46) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह छत्तीसगढ़ में नशीले इंजेक्शन खपाने वाले गिरोह से जुड़ा हुआ है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया है। मामले की शुरुआत 17 मई 2026 को हुई थी। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद बलरामपुर पुलिस ने बड़कीमहरी गांव में घेराबंदी की। पुलिस ने गढ़वा से अंबिकापुर जा रहे दो लोगों को बाइक पर रोककर जांच की। इस दौरान राहुल गुप्ता के कब्जे से 481 बुप्रेनॉर्फिन और 504 फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन बरामद किए गए।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट की धारा 21(b) के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। मामले में अपराध क्रमांक 81/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की जांच आगे बढ़ने पर पुलिस ने 24 मई को राहुल गुप्ता और 28 जुलाई को किशुन राम उर्फ बबलू ठाकुर को गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इसके बाद जांच में सामने आए आरोपी राजू कुमार गोंड, निवासी मदरसा रोड, गढ़वा को 12 अगस्त को पुलिस ने गढ़वा से हिरासत में लिया। पूछताछ और आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया।

बलरामपुर पुलिस के अनुसार, मामले में एंड-टू-एंड जांच की जा रही है। पुलिस नशीले इंजेक्शनों की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। प्रकरण में जाँच लगातार जारी है और पुलिस ने अन्य संलिप्त आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी की बात कही है।

हंसी-मजाक के बाद विवाद: कांकेर में युवक पर हंसिया से हमला, दो गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। कांकेर जिले में हंसी-मजाक के दौरान हुए विवाद में एक युवक पर हंसिया से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर दोनों को पकड़ लिया। यह मामला चारामा थाना क्षेत्र का है। चारामा के नाकापारा निवासी गणेश सोनकर (40) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 12 अगस्त 2026 की रात करीब 9:30 बजे रामसत्ता चौक के पास उमेश और सूरज सोनकर समेत कुछ लोग बातचीत और हंसी-मजाक कर रहे थे। इसी दौरान हिमांशु और तिलक भी वहां पहुंच गए और बातचीत में शामिल हो गए। इसी दौरान किसी बात को लेकर उमेश रजक ने तिलक और हिमांशु से गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। गणेश सोनकर बीच-बचाव करने पहुंचे आरोप है कि इसके बाद उमेश रजक और रोहित रजक ने गणेश के साथ भी हाथ-मुक्के से मारपीट की। इसके बाद उमेश रजक ने लोहे के हंसिया से गणेश के सिर पर वार कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। गणेश की शिकायत पर चारामा थाने में अपराध क्रमांक 167/2026 दर्ज किया गया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 109(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार राठौर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों उमेश रजक (27) और रोहित रजक (55) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपी नाकापारा चारामा के रहने वाले हैं।

3 करोड़ के गबन से मचा हड़कंप: 5वीं वाहिनी की कल्याण साख समिति में एक और प्रधान आरक्षक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर के जगदलपुर स्थित कंगोली की 5वीं वाहिनी सशस्त्र बल की कर्मचारी कल्याण साख समिति में करीब 3 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता और गबन के मामले में पुलिस की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। मामले में परपा पुलिस ने एक और प्रधान आरक्षक को गिरफ्तार किया है। वित्तीय मामलों से जुड़े प्रधान आरक्षक संजय चौहान को पूछताछ के बाद संदिग्ध पाए जाने पर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

इस मामले में इससे पहले 29 जुलाई को कल्याण साख समिति के अध्यक्ष एवं प्रधान आरक्षक शिवकांत तिवारी को गिरफ्तार किया गया था। अब संजय चौहान की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या दो हो गई है।

बस्तर एसपी शलभ कुमार सिन्हा के मुताबिक, 5वीं वाहिनी कर्मचारी कल्याण साख समिति में वर्ष 2012 से 2021 के बीच लोन खातों और जमा राशि में कथित हेराफेरी की शिकायत परपा थाने में दर्ज हुई थी। शिकायत में फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल के जरिए करीब 3 करोड़ रुपये की राशि के गबन का आरोप लगाया गया है। प्रारंभिक जांच में समिति के अध्यक्ष शिवकांत तिवारी की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उनकी गिरफ्तारी की गई थी। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ाते हुए उनके सहायक रहे प्रधान आरक्षक संजय चौहान से भी पूछताछ की गई। पुलिस को उनकी भूमिका संदिग्ध मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया है।

शिवकांत तिवारी की गिरफ्तारी के बाद उनके परिजनों ने जगदलपुर में प्रेस वार्ता कर उन्हें निर्दोष बताया था। परिजनों ने मामले में समिति के अन्य कर्मचारियों की संलिप्तता होने की बात कही थी। इसके बाद पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए अन्य कर्मचारियों की भूमिका की भी पड़ताल शुरू की।

एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। अब तक दो लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच के दौरान यदि अन्य कर्मचारियों या संबंधित लोगों की भूमिका सामने आती है तो आगे और गिरफ्तारियां की जा सकती हैं।

बेमेतरा में 'साइबर जागृति अभियान' शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

बेमेतरा। बेमेतरा जिले में साइबर अपराधों से लोगों को जागरूक और सुरक्षित करने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस ने 15 अगस्त से 2 अक्टूबर तक सात सप्ताह का 'साइबर जागृति अभियान' शुरू किया है। राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री और गृहमंत्री ने अभियान का शुभारंभ किया।

एसपी त्रिलोक बंसल ने खुद क्यूआर कोड स्कैन कर जागरूकता संदेश वाली सेल्फी फ्रेम में फोटो ली और सोशल मीडिया पर शेयर की। उन्होंने जिलेवासियों से भी 'साइबर जागृति की एक सेल्फी' लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की अपील की। अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी के जरिए साइबर अपराध से बचाव का संदेश ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है।

अभियान के पहले सप्ताह स्कूल-कॉलेजों में डिजिटल सतर्कता और बेसिक साइबर सुरक्षा की जानकारी दी जाएगी। दूसरे सप्ताह बैंकिंग संस्थानों के माध्यम से वित्तीय धोखाधड़ी और यूपीआई सुरक्षा को लेकर जागरूक किया जाएगा। तीसरे सप्ताह वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट और फर्जी कॉल से बचाव की जानकारी देने टाउन हॉल आयोजित होंगे। चौथे सप्ताह महिलाओं और सामुदायिक समूहों को स्मार्टफोन प्राइवेसी और सुरक्षित ब्राउजिंग के बारे में बताया जाएगा। पांचवें सप्ताह युवाओं को जॉब फ्रॉड और फिशिंग से बचाव के लिए रोजगार कार्यालय, कौशल और कौशल विकास केंद्रों में जागरूक किया जाएगा। छठे सप्ताह डेटा प्राइवेसी और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल पर अभियान चलेगा। वहीं सातवें सप्ताह ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में 'साइबर मुक्त छत्तीसगढ़' का संकल्प दिलाया जाएगा। एसपी त्रिलोक बंसल ने कहा कि जिस तरह देश की आजादी के लिए करोड़ों लोग एकजुट हुए थे, उसी तरह साइबर अपराध के खिलाफ भी सभी को मिलकर जागरूकता फैलानी होगी। उन्होंने सामाजिक और व्यापारिक संगठनों, संस्थाओं, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, प्रोफेशनल्स और कलाकारों समेत आम नागरिकों से अभियान में भाग लेने की अपील की।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0788-2323633 E-mail: eedurg-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्र. 09/तशा./(निविदा)/का.अ./लो.स्वा.यां.खंड/2026 दुर्ग, दिनांक 13.08.2026

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत श्रेणी ''डी'' एवं उच्च में पंजीकृत ठेकेदारों से ''प्रपत्र ए'' में प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 15.09.2026 शाम 5.30 बजे है।

समूह क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
01-04	दुर्ग जिले के विकासखंड धमधा के ग्राम सेमरिया (बाग), मोंहदी, घिकुड़िया एवं पाहरा में राईजिंग मेन, पंप स्थापना, पंप हाउस निर्माण सहित विद्युत कनेक्शन एवं अन्य सिविल कार्य।	12.67, 11.51 11.86, 11.29

यह निविदा सूचना मूल निविदा का एक अंग है। विस्तृत निविदा एवं पूर्ण जानकारी इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

जी-262702784/5

कार्यालय अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
दुर्ग (छ.ग.)

शादी के गिफ्ट में मौत का सामान : होम थिएटर में छिपाकर रखा विस्फोटक, आरोपी को उम्रकैद

कवर्धा। कबीरधाम जिले में शादी के उपहार में विस्फोटक पदार्थ रखकर जानलेवा धमाका करने के सनसनीखेज मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वर्ष 2023 में हुए इस विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य घायल हुए थे। मामले में अदालत ने आरोपी सरजू उर्फ संजू मरकाम को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर कुल 9,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अभियोजन के मुताबिक, ग्राम चमारी निवासी मेहर सिंह मेरावी के घर 31 मार्च 2023 को शादी समारोह था। शादी के बाद 3 अप्रैल की सुबह उपहार में मिले सामान को घर के एक कमरे में रखा गया था।

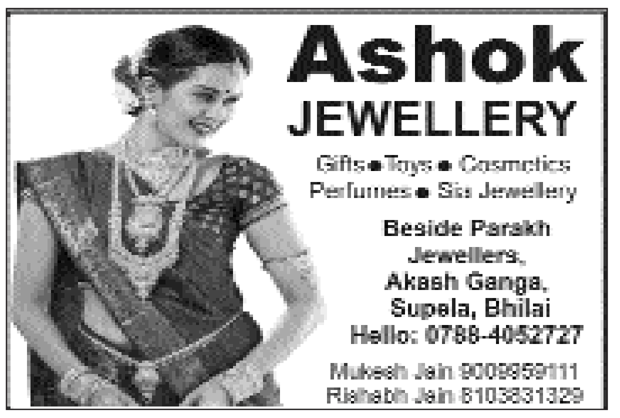

विशेष फीचर

प्रधानमंत्री आवास योजना
विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव

पक्के घरों से बदल रही गांवों की तस्वीर, आत्मसम्मान से भर रहा हर परिवार

हर गरीब परिवार के पास अपना पक्का घर हो, यह केवल एक योजना नहीं बल्कि सामाजिक न्याय का अभियान है। विकसित भारत के निर्माण में आवास, सम्मान और आत्मनिर्भरता की महत्वपूर्ण भूमिका है। **श्री नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

"हमारी सरकार का लक्ष्य है, कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे। पक्का घर केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की नींव है।

श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

पक्का घर : सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का आधार

छत्तीसगढ़ में आवास योजना का नया अध्याय

छत्तीसगढ़ आज प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन राष्ट्रीय उदाहरण बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य ने आवास निर्माण को केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनकल्याण के व्यापक अभियान का स्वरूप दिया है। गांव-गांव तक पहुंची इस पहल ने लाखों जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थावित्य का नया अध्याय जोड़ा है।

एक समय था जब प्रदेश के अनेक ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में परिवार कच्चे मकानों, झोपड़ियों और अस्थायी आवासों में जीवनयापन करने को मजदूर थे। बरसात में टपकती छतें, गार्मियों में असहनीय तापमान और प्राकृतिक आपदाओं के बीच जीवन संघर्ष का पर्याय बन चुका था। आज वही परिवार मजबूत पक्के मकानों में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'सबके लिए आवास' के संकल्प को छत्तीसगढ़ सरकार ने मिशन मोड में धरातल पर उतारते हुए प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित किया है।

आवास से आगे बढ़कर सामाजिक परिवर्तन

प्रधानमंत्री आवास योजना ने केवल ईट और सीमेंट के ढांचे खड़े नहीं किए हैं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की नई इबारत लिखी है। प्रदेश के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों, आदिवासी बहुल इलाकों और नक्सल प्रभावित अंचलों तक विकास की मुख्यधारा पहुंचाने में इस योजना की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आज हजारों गांवों में नए आवासों के साथ बिजली, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, गैस कनेक्शन, सड़क और डिजिटल सेवाओं का विस्तार हुआ है। इससे ग्रामीण जीवन की गुणवता में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिला है।

आवास अब केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि परिवार की सुरक्षा, बच्चों की शिक्षा, महिलाओं की गरिमा और सामाजिक सम्मान का आधार बन गया है।

नया घर, नई उम्मीद

सुशासन, तकनीक और पारदर्शिता का मॉडल

छत्तीसगढ़ सरकार ने योजना के क्रियान्वयन में आधुनिक तकनीक और सुशासन को प्राथमिकता दी है।

तकनीक से पारदर्शिता

- **डिजिटल मॉनिटरिंग** – हर आवास की प्रगति पर निरंतर नजर
- **जियो टैगिंग** – प्रत्येक आवास का भौगोलिक सत्यापन
- **सीधा लाभ** – हस्तांतरण लाभ सीधे हितग्राही के खाते में
- **जन सहभागिता** – आवास मित्र, पंचायत और स्थानीय हितग्राहियों की सक्रिय भूमिका
- **पारदर्शिता और जवाबदेही** – शिकायत निवारण और ऑनलाइन निगरानी

डिजिटल मॉनिटरिंग, जियो टैगिंग, ऑनलाइन सत्यापन, हेल्पलाइन सेवाएं और तकनीकी निगरानी तंत्र के माध्यम से प्रत्येक आवास की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इससे योजना में पारदर्शिता बढ़ी है और लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है।

आदिवासी अंचलों में विकास का नया अध्याय

छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना ने विकास की नई कहानी लिखी है। पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवार अब पक्के और सुरक्षित घरों में जीवन यापन कर रहे हैं।

पीएम जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के समनवित क्रियान्वयन से विशेष पिछड़ी जनजातियों तक विकास की किरण पहुंची है।

इन क्षेत्रों में आवास निर्माण के साथ-साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसरों का भी विस्तार हुआ है।

रोजगार और आत्मनिर्भरता को मिली नई दिशा

26 लाख से अधिक आवासों की स्वीकृति

विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के लिए 33000 आवासों की स्वीकृति

आत्मसमर्पित पूर्व नक्सलियों के लिए विशेष 15000 आवास

महिला स्व-सहायता समूहों की भागीदारी

निर्माण सामग्री आपूर्ति और भवन निर्माण सहयोग से विकास की मुख्यधारा से जुड़ते परिवार और बढ़ती आत्मनिर्भरता।

जब घर बना, तब बदली जिंदगी

बस्तर, सरगुजा, कांकेर, नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया, सक्ती, मुंगेली और प्रदेश के अन्य जिलों में ऐसे हजारों परिवार हैं जिनके लिए पक्का मकान कभी एक सपना था आज वही सपना साकार हो चुका है। पक्का घर मिलने के बाद बच्चों की पढ़ाई बेहतर हुई है, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं कम हुई है और परिवार में आत्मविश्वास बढ़ा है।

महिलाओं के नाम पर बढ़ रहा स्वामित्व और सम्मान

योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में आवास महिलाओं के नाम अथवा संयुक्त स्वामिव्य में स्वीकृत किए गए हैं। इससे महिलाओं का सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण मजबूत हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज महिलाएं केवल घर की जिम्मेदारी नहीं संभाल रहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक योजनाओं, बच्चों की शिक्षा और सामाजिक निर्णयों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

जल संरक्षण के साथ हरित विकास

छत्तीसगढ़ सरकार ने आवास निर्माण को पर्यवारण संरक्षण से भी जोड़ा है। 'मोर गांव-मोर पानी' जैसे अभियानों के माध्यम से नए आवासों में वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह पहल भविष्य के लिए जल संरक्षण और सतत विकास की दिशा में बढ़ा कदम है।

डिजिटल छत्तीसगढ़, मजबूत कदम

ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था, डिजिटल सत्यापन और तकनीकी निगरानी ने योजना की विश्वसनीयता बढ़ाई है। डिजिटल माध्यमों से शिकायत निवारण और प्रगति समीक्षा की व्यवस्था ने सुशासन की नई मिसाल प्रस्तुत की है।

रोजगार और आत्मनिर्भरता को मिली नई दिशा

प्रधानमंत्री आवास योजना ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा प्रदान की है। आवास निर्माण कार्यों से हजारों स्थानीय श्रमिकों, राजमिस्त्रयों, निर्माण सामग्री विक्रेताओं और स्वयं सहायता समूहों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को निर्माण कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ा है और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं। कई जिलों में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह निर्माण सामग्री आपूर्ति, भवन निर्माण सहयोग और अन्य सेवाओं से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

RO- 48382/5

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)

विकसित भारत – विकसित छत्तीसगढ़ की ओर

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की ओर

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950